फाल्गुन शुक्ल - 6 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 231 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 16-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी

6 'वन नेशन-वन इलेक्शन' कब होगा लागू?

7 असफलता के चलते बदल गया था लोगों का व्यवहार, मिली बड़ी सीख : सारा अली खान

फर्स्ट टेक

ईश्वरप्पा ने की निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा

शिवमोगा (कर्नाटक)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता के.एस. ईश्वरप्पा ने पार्टी से बगावत करते हुए शुक्रवार को घोषणा की कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में शिमोगा से बतौर निर्दलीय मैदान में उतरेंगे। उन्होंने बेटे के.ई. कांतेश को हावेरी सीट से टिकट नहीं दिए जाने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा को दोषी ठहराया। ईश्वरप्पा ने अपने समर्थकों द्वारा बुलाई गई एक बैठक में भाजपा के खिलाफ बगावत की घोषणा करते हुए कहा, ''मैं शिमोगा लोकसभा क्षेत्र से आपके निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ूंगा।''

अमिताभ बच्चन के स्वास्थ्य को लेकर सोशल मीडिया पर अटकलें

मुंबई/भाषा। अभिनेता अमिताभ बच्चन के पैर में खून का थक्का जमने या धमनी अवरुद्ध होने के कारण एंजियोप्लास्टी किए जाने से जुड़ी कुछ खबरें मीडिया में आने के बाद शुक्रवार को उनके शुभचिंतकों व प्रशंसकों ने सोशल मीडिया मंचों पर चिंता व्यक्त की। बताया जाता है कि 81 वर्षीय अभिनेता को शुक्रवार की सुबह कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और फिर छुट्टी दे दी गई थी। अस्पताल या उनके कार्यालय की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है।

रूस में राष्ट्रपति चुनने के लिए मतदान शुरू

मॉस्को/एजेन्सी। रूस में राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान शुक्रवार को शुरू हो गया, जो तीन दिन यानी 17 मार्च तक चलेगा। रूसी केंद्रीय चुनाव आयोग की ओर से अगले छह साल के राष्ट्रपति पद के कार्यकाल के लिए पंजीकृत उम्मीदवार देश के प्रमुख के पद के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ये उम्मीदवार निवर्तमान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, रूस की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख लियोनिद स्लट्स्की, न्यू पीपल पार्टी के व्लादिस्लाव दावानकोव और रूसी कम्युनिस्ट पार्टी से निकोले खारितोनोव हैं।

द्रमुक, कांग्रेस का इतिहास घोटालों और भ्रष्टाचार से भरा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कन्याकुमारी/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)-कांग्रेस गठबंधन तमिलनाडु को कभी भी विकसित राज्य नहीं बना सकता क्योंकि इसका इतिहास घोटालों और भ्रष्टाचार से भरा हुआ है।

मोदी ने लोकसभा चुनाव के लिए देश के दक्षिणी हिस्से तक पहुंच बनाने के अभियान के तहत यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ, आपके पास (लोगों के पास) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कल्याणकारी योजनाएं हैं। दूसरी तरफ, आपके पास इंडिया समूह के घोटालों की सूची है। हमने लोगों को ऑप्टिकल फाइबर और 5जी इंटरनेट मुहैया कराया, लेकिन उन्होंने (इंडिया समूह ने) 2जी घोटाला करके लोगों के पैसे ले लिये। हमने उड़ान योजना शुरू की और उन्होंने हेलिकॉप्टर घोटाला शुरू किया। हमारे पास खेलो इंडिया के नतीजे हैं, उनके पास राष्ट्रमंडल खेल घोटाला है। उन्होंने कहा कि द्रमुक और कांग्रेस लोगों को लूटने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। द्रमुक 2जी घोटाले की सबसे बड़ी लाभार्थी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने देश को तोड़ने का सपना देखने वालों को खारिज कर दिया। अब, तमिलनाडु के लोग भी ऐसा ही करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, इस बार तमिलनाडु में हमारा प्रदर्शन द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन के अहंकार को चकनाचूर कर देगा। आज, देश के दक्षिणी छोर कन्याकुमारी से जो लहर उठ रही है, वह बहुत दूर तक जाएगी।

मोदी ने इस वर्ष तमिलनाडु की अपनी पांचवीं यात्रा के दौरान द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि यह पार्टी राज्य के भविष्य और विरासत की दुश्मन है तथा उससे जुड़े लोग भारतीय संस्कृति से नफरत करते हैं। उन्होंने कहा, मैं अयोध्या राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले तमिलनाडु आया और महत्वपूर्ण मंदिरों के दर्शन किये, लेकिन द्रमुक सरकार ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का प्रसारण रोकने का प्रयास किया। इस पर उच्चतम न्यायालय को तमिलनाडु सरकार को फटकार लगानी पड़ी।

सीएए के तहत नागरिकता संबंधी आवदेन के लिए मोबाइल ऐप शुरू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एक मोबाइल ऐप शुरू किया जो पात्र लोगों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए)-2019 के तहत भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, एप्लिकेशन को 'गूगल प्ले स्टोर' या केंद्र सरकार की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा, ''नागरिकता संशोधन कानून-2019 के तहत आवेदन करने के लिए 'सीएए-2019' मोबाइल ऐप शुरू किया गया है।''

सीएए पर अमेरिकी बयान को भारत ने किया खारिज

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) को लेकर अमेरिका के विदेश विभाग के बयान को अपूर्ण जानकारी पर आधारित गलत एवं अनुचित बताते हुए इसे खारिज कर दिया और कहा कि यह कानून भारत की समावेशी परंपराओं एवं मानवाधिकारों के प्रति उसकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में इस बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 (सीएए) भारत का आंतरिक मामला है और यह कानून भारत की समावेशी परंपराओं और मानवाधिकारों के प्रति हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

आबकारी नीति 'घोटाला'

ईडी ने किया बीआरएस नेता के. कविता को गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धन शोधन मामले में शुक्रवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की बेटी कविता (46) को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है।

इससे पहले दिन में ईडी अधिकारियों ने हैदराबाद में कविता के परिसरों पर छापेमारी की और बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी परिपत्र के मुताबिक, तेलंगाना में बीआरएस की विधान पार्षद (एमएलसी) कविता को हैदराबाद में बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से शाम पांच बजकर 20 मिनट पर गिरफ्तार किया गया।

बीरएस विधायक का भाई अवैध खनन मामले में गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक विधायक के भाई को कथित अवैध खनन के मामले में गिरफ्तार किया गया है। संगारेड्डी जिला पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि पाटनचेरु विधानसभा सीट से विधायक जी. महिपाल रेड्डी के भाई जी. मधुसूदन रेड्डी को गिरफ्तार किया गया है।

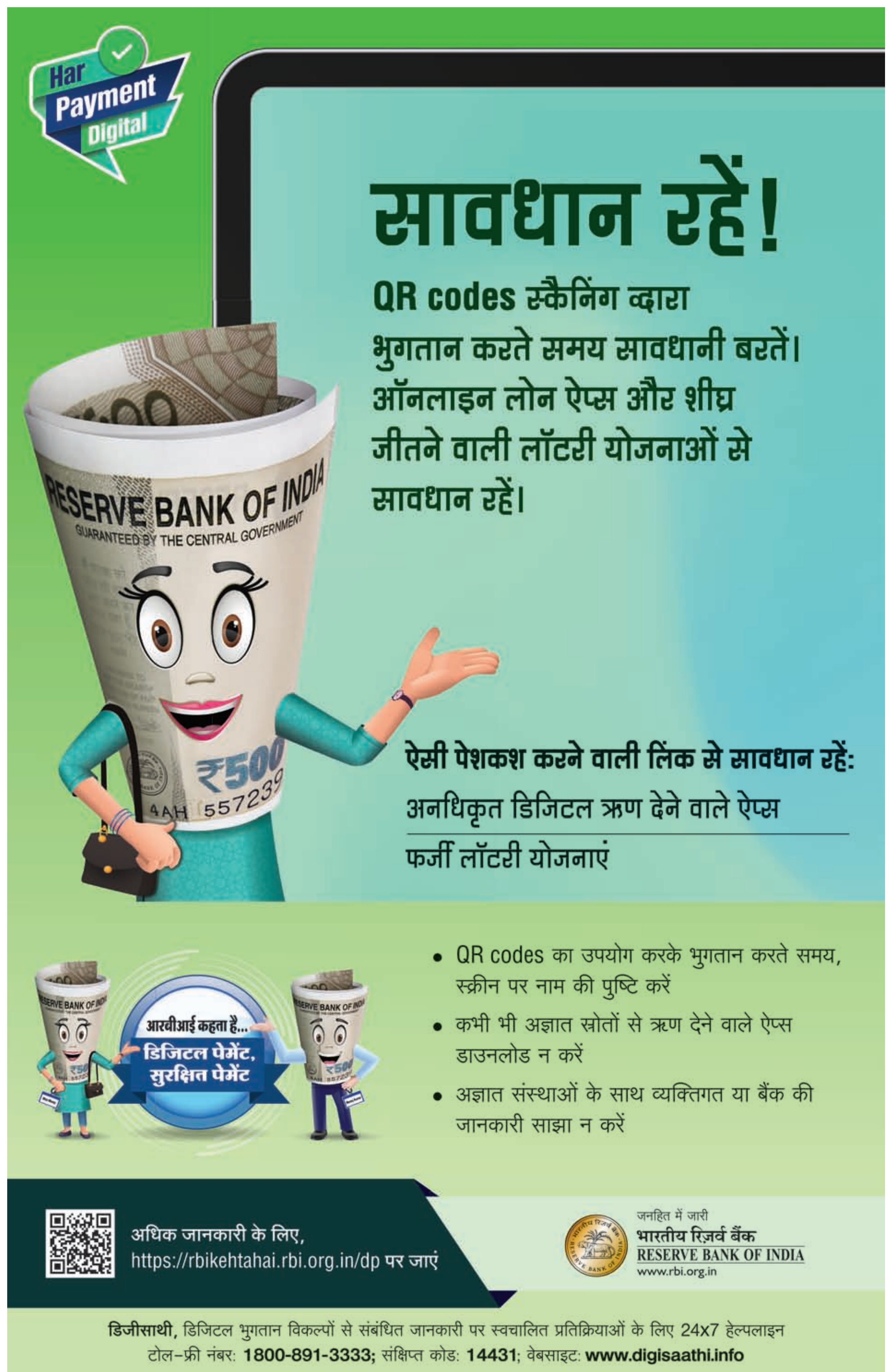

चुनावी बॉण्ड पर

अधूरी जानकारी देने के लिए एसबीआई को न्यायालय की फटकार, नोटिस जारी

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अधूरी जानकारी देने के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को फटकार लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि बैंक को प्रत्येक चुनावी बॉण्ड के लिए विशिष्ट संख्या प्रदान करना होगा जो खरीदार और प्राप्तकर्ता राजनीतिक दल के बीच राजनीतिक संबंध का खुलासा करेगा।

न्यायालय ने देश के सबसे बड़े बैंक को अपने निर्देशों के अनुपालन में विशिष्ट

अक्षरांकीय संख्या (यूनीक अल्फा-न्यूमेरिक नंबर) का खुलासा न करने के लिए 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया और कहा कि एसबीआई उन संख्याओं के खुलासे के लिए कर्तव्यबद्ध था।

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बृहस्पतिवार को उन संस्थाओं की पूरी सूची जारी की, जिन्होंने राजनीतिक चंदा देने के लिए चुनावी बॉण्ड खरीदे थे। आयोग द्वारा अपनी वेबसाइट पर ये आंकड़े सार्वजनिक किए जाने के एक दिन बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि एसबीआई को सभी जानकारियां मुहैया करानी हैं।

पीठ ने बैंक को नोटिस जारी किया और मामले में आगे की सुनवाई के लिए 18 मार्च की तिथि तय की।

एलएसी पर हालात स्थिर : जनरल पांडे

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने शुक्रवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति को 'स्थिर लेकिन संवेदनशील' करार देते हुए कहा कि चीन से सटी देश की सीमा पर भारतीय सैनिकों और अन्य घटकों की तैनाती 'बेहद मजबूत' और 'संतुलित' है।

यहां एक 'कॉन्क्लेव' में एक चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, ''हमें करीब से निगरानी और नजर बनाए रखने की जरूरत है कि सीमा पर बुनियादी ढांचे और सैनिकों की आवाजाही के संदर्भ में कौन से घटनाक्रम हो रहे हैं।''

'इंडिया टुडे कॉन्क्लेव 2024' के हिस्से के रूप में 'भारत और हिंद-प्रशांत: खतरे और अवसर' विषय पर आयोजित चर्चा में शामिल सेना प्रमुख से क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और 'एलएसी पर स्थिति बिगड़ने' की सूरत में भविष्य की तैयारियों के संदर्भ में कई सवाल पूछे गए।

16-03-2024 सूर्यास्त 6:30 बजे	17-03-2024 सूर्योदय 6:25 बजे
BSE 72,643.43 (-453.85)	NSE 22,023.35 (-123.30)
सोना 6,807 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 76,466 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

न्यायिक पारदर्शिता

न्यायिक घेरे के भीतर,
यदि न्यायालय होगा।
तब ही सही फैसले लेना,
सचमुच तय होगा।
हो सकता ना कोई निरंकुश,
सत्य विजय होगा।
ऐसा लोकतंत्र दुनिया में,
कभी न क्षय होगा।।

क्षेत्रीय दलों को चुनावी बॉण्ड से कुल 5,221 करोड़ रुपए की राशि मिली

भाजपा को मिली 6,060.51 करोड़ रुपए की राशि

तृणमूल कांग्रेस को 1,609.53 करोड़ रुपए की राशि

कांग्रेस को मिली 1,421.86 करोड़ रुपए की राशि

मार्च 2018 से जनवरी 2024 तक 16,518 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड बेचे गए हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। क्षेत्रीय दलों को अप्रैल 2019 और जनवरी 2024 के बीच चुनावी बॉण्ड के जरिये 5,221 करोड़ रुपए से अधिक का चंदा मिला, जो इसी अवधि में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली 6,060.51 करोड़ रुपए की राशि से 839 करोड़ रुपए कम है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी चुनावी बॉण्ड के आंकड़ों के मुताबिक दो राष्ट्रीय दलों कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को इस अवधि में क्रमशः 1,421.86 करोड़ रुपए और 65.45 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। अन्य राष्ट्रीय दलों बहुजन समाज पार्टी (बसपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)और एनपीपी (नेशनल पीपुल्स पार्टी) को चुनावी बॉण्ड के जरिये कोई राशि नहीं मिली है।

क्षेत्रीय दलों में, अकेले तृणमूल कांग्रेस को 1,609.53 करोड़ रुपए की राशि चुनावी बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त हुई है। यह राशि इस माध्यम से चंदा प्राप्त करने वाले 22 क्षेत्रीय दलों द्वारा प्राप्त कुल दानराशि का 30 प्रतिशत है।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)ने चुनावी बॉण्ड के जरिए 1,214.70 करोड़ रुपए, बीजू जनता दल (बीजद) ने 775.50 करोड़ रुपए, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)ने 639 करोड़ रुपए, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने 337 करोड़ रुपए, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा)ने 218.88 करोड़ रुपए और शिवसेना ने 159.38 करोड़ रुपए जुटाए।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने चुनावी बॉण्ड के माध्यम से 73.5 करोड़ रुपए जुटाए जबकि जनता दल सेक्युलर ने 43.40 करोड़ रुपए, सिक्किम क्रांतिकारी पार्टी ने 36.5 करोड़ रुपए, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने 31 करोड़ रुपए, जन सेना पार्टी ने 21 करोड़ रुपए, समाजवादी पार्टी (सपा) ने 14.05 करोड़ रुपए, जनता दल यूनाइटेड ने 14 करोड़ रुपए और झारखंड मुक्ति मोर्चा को 13.5 करोड़ रुपए इस माध्यम से प्राप्त हुए। चुनावी बॉण्ड से अकाली दल ने 7.2 करोड़ रुपए, ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने 6.05 करोड़ रुपए और सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट ने 5.5 करोड़ रुपए जुटाए।

महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और गोवा फॉरवर्ड पार्टी को चुनावी बॉण्ड के जरिए एक करोड़ रुपए से कम राशि प्राप्त हुई।

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) द्वारा पूर्व में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2018 से जनवरी 2024 तक 16,518 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड बेचे गए हैं। चुनाव आयोग की ओर से अब तक प्रकाशित आंकड़ों में मार्च 2018 से 11 अप्रैल 2019 तक की अवधि के बॉण्ड शामिल नहीं है।

पिछले माह जारी अपनी एक रिपोर्ट में इसने कहा कि भाजपा को चुनावी बॉण्ड से 6566 करोड़ रुपए (54.77 फीसदी) की सर्वाधिक राशि प्राप्त हुई। इसके बाद कांग्रेस को 1123 करोड़ रुपए (9.37 फीसदी) और तृणमूल कांग्रेस को 1092 करोड़ रुपए (9.11 फीसदी) की रकम मिली।

उच्चतम न्यायालय के समक्ष दायर एक हलफनामे में, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बताया कि 1 अप्रैल, 2019 से 15 फरवरी 2024 के बीच दानदाताओं द्वारा विभिन्न मूल्यवर्ग के कुल 22,217 चुनावी बॉण्ड खरीदे गए, जिनमें से 22,030 को राजनीतिक दलों ने भुनाया।

हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली दूसरी सबसे बड़ी दानदाता

नई दिल्ली/भाषा। हैदराबाद की कम प्रसिद्ध कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर चुनावी बॉण्ड के जरिए राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली दूसरी सबसे बड़ी दानदाता है। मेघा इंजीनियरिंग ने हाल के वर्षों में प्रतिष्ठित जोजिला सुरंग परियोजना हासिल की, नगरीय गैस क्षेत्र में प्रवेश किया और एक मीडिया समूह का अधिग्रहण किया है। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) ने वित्त वर्ष 2019-20 और 2023-24 के बीच कुल 966 करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे। इसी अवधि में कंपनी ने 2020 में जम्मू-कश्मीर में सभी मौसम के अनुकूल सुरंग आधारित सड़क बनाने का ठेका हासिल किया था। इसके अलावा कंपनी को मिली परियोजनाओं में कुछ शहरों में सीएनजी और पाइप से रसोई गैस (पीएनजी) की खुदरा बिक्री के लिए लाइसेंस भी शामिल है। गैर-सूचीबद्ध निजी कंपनी की स्थापना 1989 में उद्योगपति पामीरेड्डी पी रेड्डी ने मेघा इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज के रूप में की थी। उस समय यह नगर पालिकाओं के लिए पाइप बनाती थी।

रिलायंस से जुड़ी क्विक सप्लाई तीसरी सबसे बड़ी चुनावी बॉण्ड खरीदार

नई दिल्ली/भाषा। क्विक सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड चुनावी बॉण्ड का उपयोग करने वाले राजनीतिक दलों को दान करने वाली तीसरी सबसे बड़ी दानकर्ता थी। क्विक सप्लाई नवी मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटी (डीएकेसी) में पंजीकृत पते वाली और रिलायंस इंडस्ट्रीज से जुड़ी एक कम प्रसिद्ध कंपनी है। इसने वित्त वर्ष 2021-22 और 2023-24 के बीच 410 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड खरीदे। हालांकि, रिलायंस ने कहा कि यह कंपनी रिलायंस की किसी भी इकाई की अनुषंगी कंपनी नहीं है। चुनाव आयोग द्वारा अपनी वेबसाइट पर अपलोड की गई जानकारी के अनुसार, क्विक सप्लाई द्वारा चुनावी बॉण्ड की खरीद और दान के पीछे एक अन्य कम प्रसिद्ध लॉटरी कंपनी फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज (1,368 करोड़ रुपए) और हैदराबाद की मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रा (966 करोड़ रुपए) का हाथ था।

चुनावी बॉण्ड मामले की उच्चतम न्यायालय जांच कराए, भाजपा के खातों पर रोक लगे : कांग्रेस

नई दिल्ली/बेंगलूरु/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि चुनावी बॉण्ड योजना से जुड़े मामले की उच्चतम न्यायालय को उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए और सच सामने आने तक भाजपा के बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगाई जाए। निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड के आंकड़े सार्वजनिक किए। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद, एसबीआई ने 12 मार्च को आयोग के साथ आंकड़े साझा किए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री कहते हैं 'न खाऊंगा, न खाने दूंगा, लेकिन आज उच्चतम न्यायालय ने यह उजागर कर दिया है कि कैसे भाजपा ने चुनावी बॉण्ड से पैसा बनाया है। एसबीआई द्वारा उपलब्ध कराए आंकड़ों से पता चलता है कि भाजपा को कुल चंदे का 50% से अधिक मिला, जबकि कांग्रेस को केवल 11% मिला। खरगे ने कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा, आयकर विभाग को ऐसा करने का निर्देश दिया गया था और लगभग 300 करोड़ रुपए 'फ्रीज' कर दिए गए हैं...हम चुनाव में कैसे जा सकते हैं? आप चुनावी बॉण्ड के माध्यम से करोड़ों रुपए एकत्र कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस को कार्यकर्ताओं, सांसदों और अन्य लोगों से चंदा मिला। उन्होंने कहा, हमारा खाता बंद है, उनका खाता खुला है। उन्हें 6,000 करोड़ रुपए मिले, जबकि दूसरों को बहुत कम मिला। खरगे ने सवाल किया, अगर विपक्षी पार्टी का खाता 'फ्रीज' कर दिया जाएगा, तो वह चुनाव कैसे लड़ेगी? समान अवसर कहां है?

चार वित्तीय सेवा कंपनियों ने 87 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड खरीदे

नई दिल्ली/भाषा। बजाज फाइनेंस, पीरामल एंटरप्राइजेज और एडलवाइस ग्रुप जैसी वित्तीय सेवा कंपनियों ने मिलकर एक अप्रैल, 2019 और जनवरी 2024 के बीच 87 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड खरीदे। पीरामल एंटरप्राइजेज, पीएचएल फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड और पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस ने इस अवधि के दौरान 60 करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे। चुनाव आयोग द्वारा बृहस्पतिवार शाम को प्रकाशित विवरण के अनुसार, इसके बाद एडलवाइस समूह की तीन संस्थाओं ने चार करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे, जबकि बजाज फाइनेंस ने 20 करोड़ रुपए के बॉण्ड खरीदे। स्वर्ण पर कर्ज देने वाली वित्तीय कंपनी मुथूट फाइनेंस ने इस अवधि के दौरान तीन करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड खरीदे। हालांकि, प्राप्तकर्ता राजनीतिक दलों के नामों का खुलासा नहीं किया गया। संपर्क करने पर इन कंपनियों ने फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पंजाब में कई अपराधों में शामिल दो गैंगस्टर गिरफ्तार : पुलिस

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस के गैंगस्टर विरोधी कार्यबल (एजीटीएफ) ने कई अपराधों में कथित तौर पर शामिल, एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार लोगों के पास से दो पिस्तौल और 10 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये आरोपी दो फरार गैंगस्टर के इशारे पर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते थे। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पंजाब एजीटीएफ ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए गुरप्रीत लेहम्बर और जस्सा नूरवाला गिरोह के दो साथियों जगदीप सिंह उर्फ रिंकू और बलविंदर सिंह उर्फ बब्बू को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लुधियाना, जगरांव, मोगा, बठिंडा और संगरूर के इलाकों में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण, वसूली जैसे कई जघन्य अपराधों में शामिल है।

तीसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े रहस्यमयी, इन्हें समझना मुश्किलः अरविंद सुब्रमण्यन

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यन ने शुक्रवार को कहा कि भारत के ताजा जीडीपी आंकड़े ''पूरी तरह रहस्यमयी'' हैं और इन्हें समझ पाना मुश्किल है। हाल ही में जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी। ये आंकड़े उम्मीद से बेहतर हैं और पिछले डेढ़ साल में सबसे अधिक हैं। सुब्रमण्यम ने इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में इस पर कहा, मैं आपको ईमानदारी से बताना चाहता हूं कि ताजा जीडीपी आंकड़ों को मैं समझ नहीं पा रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं पूरे सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि ये बिल्कुल रहस्यमयी हैं। वे मेल नहीं खाते हैं। मुझे नहीं पता कि उनका क्या मतलब है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) ने चालू वित्त वर्ष की पहली और दूसरी तिमाही के लिए भी जीडीपी अनुमान को संशोधित कर क्रमशः 8.2% और 8.1% कर दिया है। सुब्रमण्यन ने कहा कि इन आंकड़ों में 'निहित मुद्रास्फीति' एक से 1.5 प्रतिशत है जबकि अर्थव्यवस्था में वास्तविक मुद्रास्फीति 3 से 5% के बीच है। उन्होंने कहा, अर्थव्यवस्था 7.5% की दर से बढ़ रही है, भले ही निजी खपत तीन प्रतिशत बढ़ी है।

सैंटियागो मार्टिन : मजदूर से 'लॉटरी किंग' तक की लंबी छलांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। निर्वाचन आयोग के अनुसार चुनावी बॉण्ड के शीर्ष खरीदार बनकर उभरे सैंटियागो मार्टिन वर्षों से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर हैं। 'लॉटरी किंग' के नाम से मशहूर मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेम्स और होटल सर्विसेज ने 1,368 करोड़ रुपए के चुनावी बॉण्ड खरीदे हैं।

मार्टिन कौन हैं और उनके कारोबारी हित क्या हैं?

कहा जाता है कि पश्चिमी तमिलनाडु के कोयंबटूर में रहने वाले मार्टिन ने अपने पेशेवर जीवन की शुरुआत एक 'मजदूर' के रूप में की और उनके अमीर बनने की एक लंबी कहानी है।

तमिलनाडु में 2003 से ही लॉटरी पर रोक है, लेकिन अनेक लोगों को कई गलत कारणों जिनमें अधिकारियों के छापे शामिल हैं, की वजह से 'मार्टिन लॉटरी' का नाम आज भी याद है। मार्टिन द्वारा संचालित कोयंबटूर के एक कॉलेज का एक लेखाकार 2019 में आयकर अधिकारियों द्वारा की गई उससे पूछताछ के बाद मृत पाया गया था। उनकी कंपनी, फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सिक्किम लॉटरी की मुख्य वितरक है। काफी लंबे समय तक एक विशाल व्यापारिक साम्राज्य का मालिक होने के अलावा, मार्टिन को तमिलनाडु और केरल सहित कई राज्यों में कई राजनीतिक दलों में उनके मित्रों के लिए जाना जाता है। मार्टिन प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग सहित केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में है। ईडी ने 2023 में केरल में फर्जी लॉटरी बिक्री के माध्यम से सिक्किम सरकार को 900 करोड़ रुपए से अधिक के कथित नुकसान पहुंचाने के आरोप में लगभग 457 करोड़ रुपए की उसकी संपत्ति जब्त कर ली थी। केरल में सिक्किम सरकार की लॉटरी की बिक्री से संबंधित कथित अपराधों के लिए मार्टिन और अन्य के खिलाफ सीबीआई ने आरोप पत्र दाखिल किया था जिसके आधार पर ईडी ने धनशोधन का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की। ईडी ने बताया, मार्टिन और उनकी सहयोगी कंपनियों और संस्थाओं के 01.04.2009 से 31.08.2010 की अवधि के लिए पुरस्कार विजेता टिकटों के दावे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के कारण सिक्किम सरकार को 910 करोड़ रुपए की हानि हुई और उसने गैरकानूनी लाभ कमाया। मार्टिन और उनसे जुड़े लोगों की संपत्ति ईडी ने अन्य मामलों में भी जब्त की है।

भूटान का विश्वनीय भागीदार है भारत : भूटानी प्रधानमंत्री टोबगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात के दौरान भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने उनके देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं में एक विश्वसनीय और मूल्यवान भागीदार के रूप में भारत की भूमिका की सराहना की। भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए टोबगे ने बृहस्पतिवार शाम को प्रधानमंत्री मोदी के साथ व्यापक बातचीत के दौरान भारत की भूमिका को सराहा। मोदी अगले सप्ताह भूटान की यात्रा करेंगे। एक आधिकारिक जानकारी के अनुसार, दोनों नेताओं ने अपनी बातचीत के दौरान बुनियादी ढांचे के विकास, संपर्क सुविधा, ऊर्जा, जलविद्युत संबंधी सहयोग, लोगों के बीच आपसी संबंध और विकास संबंधी सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा की।

विदेश मंत्रालय ने कहा, उन्होंने (मोदी और टोबगे ने) भारत तथा भूटान की विशेष एवं अद्वितीय मित्रता को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा, भूटान के प्रधानमंत्री ने भूटान की विकास संबंधी प्राथमिकताओं में एक विश्वसनीय, भरोसेमंद और मूल्यवान भागीदार के रूप में भारत की भूमिका की अत्यधिक सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि टोबगे ने भूटान नरेश की ओर से मोदी को अगले सप्ताह भूटान आने का निमंत्रण दिया। इसमें कहा गया, प्रधानमंत्री ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

भारतीय बाज़ार ने एक निशिचत स्तर की समझदारी बनाए रखी है : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय शेयर बाजार ने एक निश्चित स्तर की समझदारी बनाए रखी है और बाजार को अपने हिसाब से खेलने की अनुमति दी जानी चाहिए। वित्त मंत्री का यह बयान सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है कि स्मालकैप और मिडकैप शेयरों में 'झाग' की गुंजाइश है और नियामक एक संभावित परामर्श पत्र लाने के लिए इस पर विचार कर रहा है।

इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में सीतारमण ने कहा, मैं बाजारों को अपने हिसाब से खेलने देती हूं... हमें इसे बाजार के विवेक पर छोड़ देना चाहिए क्योंकि हम सभी ने देखा है कि वैश्विक स्तर पर भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय बाजार ने समझदारी का एक निश्चित स्तर बनाए रखा है। यह वास्तव में इस तरह या उस तरह से बहुत हिंसक नहीं हुआ है। इसलिए, मैं बाजार पर बहुत भरोसा करता हूं। इस सप्ताह की शुरुआत में पूंजी बाजार नियामक ने स्मालकैप और मिडकैप शेयरों के अधिक मूल्यांकन के बारे में चिंता जताई थी। स्मालकैप और मिडकैप संभावित बाजार में हेरफेर और बाजार में बुलबुले के जोखिम का संकेत दे रहे थे। बुच ने कहा था, इक्विटी बाजारों में स्मालकैप और मिडकैप क्षेत्र में झाग के कुछ क्षेत्र हैं जिनमें बुलबुला बनने और फूटने की क्षमता है जो निवेशकों को प्रभावित कर सकता है। क्रिप्टो परिसंपत्तियों पर सीतारमण ने कहा कि वे मुद्राएं नहीं हो सकती हैं और यह भारत सरकार का रुख है। मुद्राएं सरकार या केंद्रीय बैंक द्वारा जारी की जाती हैं।

आरएसएस अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सामग्री एवं शब्दावली में बदलाव कर रहा : वैद्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सह-सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने शुक्रवार को बताया कि संघ ने अपने वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सामग्री एवं शब्दावली में बदलाव किए हैं और ये संशोधन इसी वर्ष से लागू किए जाएंगे।

वैद्य ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग संघ का हिस्सा बनने के लिए आगे आ रहे हैं और यहां तक कि जिन्हें अल्पसंख्यक कहा जाता है वे भी पहले से ही संघ की शाखाओं और इसकी गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने शुक्रवार को नागपुर में शुरू हुए संघ के वार्षिक 'अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा' सम्मेलन के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आरएसएस के सात दिवसीय 'प्राथमिक शिक्षा वर्ग, 20 दिवसीय 'संघ शिक्षा वर्ग-प्रथम वर्ष, 20 दिवसीय 'संघ शिक्षा वर्ग-द्वितीय वर्ष' और 25 दिवसीय 'संघ शिक्षा वर्ग- तृतीय वर्ष' प्रशिक्षण कार्यक्रमों में थोड़े बदलाव किए गए हैं।

वैद्य ने कहा कि नए संघ कार्यकर्ताओं के लिए तीन दिवसीय 'प्रारंभिक वर्ग' कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि इसके बाद नए कार्यकर्ता 'प्राथमिक शिक्षा वर्ग' में भाग लेंगे, जिसके बाद 15 दिवसीय 'संघ शिक्षा वर्ग' कार्यक्रम होगा, जिसे पहले 'संघ शिक्षा वर्ग-प्रथम वर्ष' कहा जाता था और इसकी अवधि 20 दिन थी। उन्होंने कहा कि संघ के प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में युवा शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर साल 15,000 से 17,000 युवा 'प्रथम शिक्षा वर्ग' (प्रथम वर्ष कक्षा) में और लगभग एक लाख युवा 'प्राथमिक शिक्षा वर्ग' में भाग लेते हैं। वैद्य ने कहा, अब से, संघ शिक्षा वर्ग' (प्रथम वर्ष) कार्यक्रम 15 दिन का होगा। आरएसएस नेता ने बताया कि 'द्वितीय वर्ष' और 'तृतीय वर्ष' के प्रशिक्षण वर्गों को अब क्रमशः 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-1' और 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' कहा जाएगा। उन्होंने कहा, नया पाठ्यक्रम और नई शब्दावली इसी साल से लागू की जाएगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या आरएसएस सम्मेलन के दौरान आगामी लोकसभा चुनावों पर चर्चा होगी, वैद्य ने कहा कि संघ हमेशा अधिक से अधिक मतदान पर जोर देता रहा है और आरएसएस कार्यकर्ता नागरिकों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के बारे में जागरूक भी करते हैं। वैद्य ने कहा कि बड़ी संख्या में लोग आरएसएस का हिस्सा बनना चाहते हैं और संगठन को संघ में शामिल होने के लिए प्रति वर्ष लगभग एक लाख लोगों के अनुरोध प्राप्त होते हैं।

यह पूछे जाने पर कि संघ अल्पसंख्यकों तक कैसे पहुंचेगा, वैद्य ने कहा कि संघ कहता रहा है कि 140 करोड़ भारतीय समुदाय ''हिंदू'' ही हैं ''क्योंकि आपके पूर्वज हिंदू थे और हमारी संस्कृति एक है। उन्होंने कहा कि जिन्हें अल्पसंख्यक कहा जा रहा है वे पहले से ही संघ की शाखाओं और संघ की गतिविधियों में सक्रिय हैं।

लोकसभा चुनावः शाह ने गांधीनगर सीट के लिए चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गांधीनगर लोकसभा सीट से एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार घोषित किए गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया और भाजपा कार्यकर्ताओं से मतदाताओं को यह बताने को कहा कि यह चुनाव उनकी पार्टी के बारे में नहीं बल्कि भारत के बारे में है।

शाह ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ शहर के गुरुकुल रोड स्थित मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की और उसके बाद सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। शाह ने पार्टी के कार्यकर्ताओं से चुनाव प्रचार के दौरान प्रत्येक मतदाता से संपर्क करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की कि वे कमल का बटन (ईवीएम पर) दबाएं। उन्होंने कहा, लोगों को बताएं कि यह चुनाव भाजपा के लिए नहीं, बल्कि भारत के लिए है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कोई भी कार्यकर्ता संपर्क किए बिना न छूटे। जिस मंदिर क्षेत्र में शाह ने लोगों को संबोधित किया वह गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। शाह ने राजनीति में शुरुआती दिनों को याद किया और लोगों को बताया कि जब उन्होंने 30 साल पूर्व पहला विधानसभा चुनाव लड़ा था तब भी उन्होंने उसी हनुमान मंदिर में पूजा करने के बाद चुनाव अभियान शुरू किया था।

मेरा तात्पर्य था कि ममता बनर्जी को ''धक्का लगने'' का एहसास हुआ होगा : चिकित्सक

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कालीघाट स्थित उनके आवास में ''पीछे से कोई धक्का लगने के कारण'' उनके माथे और नाक पर चोट आने संबंधी बयान देने के एक दिन बाद, एसएसकेएम अस्पताल के निदेशक मणिमोय बंद्योपाध्याय ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि उनका तात्पर्य था कि मुख्यमंत्री को ''धक्का लगने का एहसास'' हुआ होगा।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी (69) बृहस्पतिवार शाम को कालीघाट स्थित अपने आवास में गिर गई थीं जिसके कारण उनके माथे और नाक पर गंभीर चोट लग गई। इसके बाद उन्हें सरकारी एसएसकेएम (सेठ सुखलाल करनानी मेमोरियल) अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें कुछ टांके लगाए गए और उनकी चिकित्सकीय जांच की गई। बाद में चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी। बंद्योपाध्याय ने कहा, वह पीछे से धक्का लगने के अहसास के कारण (मुख्यमंत्री बनर्जी) गिरीं। हमारा काम इलाज करना है और हमने वह किया है। मैंने कल शाम जो कहा, उसका गलत मतलब निकाला गया। एसएसकेएम के निदेशक ने बृहस्पतिवार शाम को कहा था कि ममता बनर्जी ''पीछे से कोई धक्का लगने के कारण अपने आवास में गिर गई थीं। बंद्योपाध्याय के ''पीछे से धक्का लगने'' की बात ने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के गिरने के कारण को लेकर बड़े पैमाने पर भ्रम और अटकलों को जन्म दे दिया।

पेटीएम को यूपीआई लेनदेन जारी रखने के लिए पांच हैंडल मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

Paytm UPI

नई दिल्ली/भाषा। वित्तीय प्रौद्योगिकी मंच पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को यूपीआई लेनदेन जारी रखने के लिए चार बैंकों के साथ साझेदारी में पांच हैंडल मिले हैं। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) पर यह जानकारी दी गई। कंपनी का मौजूदा हैंडल पेटीएम उन पांच हैंडलों में से एक है, जिन्हें उपयोगकर्ता अपनी ओर से कोई बदलाव किए बिना उपयोग करना जारी रख सकते हैं। एनपीसीआई ने यस बैंक के साथ साझेदारी में पेटीएम के लिए पेटीएम और एक बंद उपयोगकर्ता समूह यूपीआई हैंडल पीटाइप्स को मंजूरी दे दी है। एनपीसीआई ने एचडीएफसी बैंक के साथ पीटीएचडीएफसी और भारतीय स्टेट बैंक के साथ पीटीएसबीआई को भी भागीदार के रूप में मंजूरी दे दी है।

हालांकि, ये दोनों हैंडल इस समय सक्रिय नहीं हैं। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा कि उपयोगकर्ता अपनी ओर से कोई बदलाव किए बिना पेटीएम हैंडल का निर्बाध रूप से उपयोग करना जारी रख सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

येडीयुरप्पा के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले को सीआईडी को सौंपा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी को शुक्रवार को आगे की जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दिया गया। पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने अपने संदेश में बेंगलूरु पुलिस को बताया कि मामला तत्काल प्रभाव से आगे की जांच के लिए सीआईडी को सौंप दिया गया है।

सदाशिवनगर पुलिस के अनुसार, येडीयुरप्पा के खिलाफ 17 वर्षीय एक लड़की की मां की शिकायत पर पॉक्सो कानून की धारा आठ और भारतीय दंड संहिता की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की मां ने शिकायत में आरोप लगाया है कि यह घटना दो फरवरी को उस वक्त हुई जब वह अपनी बेटी के साथ येडीयुरप्पा (81) से मिलने उनके आवास पर गई थी।

आरोप को खारिज करते हुए येडीयुरप्पा ने कहा कि महिला उनसे मिलने का प्रयास कर रही थी, लेकिन उसे उनके घर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गयी। उन्होंने कहा, जब वह रो रही थी, तो मैंने उसे अपने घर में बुलाया और पुलिस आयुक्त बी. दयानंद से बात की कि उसके साथ कुछ अन्याय हुआ है।

हालांकि, जब उसने मेरे सामने ही मेरे खिलाफ बोलना शुरू किया, तो मैंने निष्कर्ष निकाला कि यह महिला सही नहीं है। येडीयुरप्पा ने आरोप लगाया कि पुलिस आयुक्त से मुलाकात करने के बाद महिला ने इस मामले को अलग रंग दे दिया।

भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येडीयुरप्पा ने कहा, मैंने सुना है कि मेरे खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। कानूनी तौर पर जो भी करना होगा मैं करूंगा, लेकिन जब कोई किसी की मदद करता है, तो ऐसा भी होता है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री येडीयुरप्पा ने यौन उत्पीड़न के आरोपों का किया खंडन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह मामले में किसी भी जांच के लिए तैयार हैं। अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, मुझे पता चला कि एक महिला ने मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। मैं कानून के मुताबिक हर चीज का सामना करूंगा। मैंने इसकी उम्मीद नहीं की थी और इस स्तर पर यह नहीं कहूंगा कि यह राजनीति से प्रेरित है।

उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ महीने पहले, मेरे घर के पास एक मां-बेटी आईं। संदेह के कारण हमने उनसे मुलाकात नहीं किया। लेकिन, एक बार मैंने उन्हें अपने घर के पास आंखों में आंसू लिए बैठे देखा। मैंने उन्हें बुलाया और पूछा कि वे क्यों रो रही हैं । इस पर मा-बेटी ने कहा कि वे बड़े संकट से गुजर रही हैं। मैंने बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद को फोन कर उनसे उनकी मदद करने को कहा। वहां गई महिला और उसकी बेटी मेरे खिलाफ बोलने लगीं, तो पुलिस ने उन्हें बाहर भेज दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, अब, मामले ने एक अलग मोड़ ले लिया है। अगर हम मदद के लिए आगे आए, तो ये परिणाम भुगतने होंगे। मैंने उनकी परेशानी सुनने के बाद उन्हें पैसे भी दिए थे। मैं हर चीज का सामना करूंगा। मामले की शिकायत के बाद गुरुवार को बेंगलूरु के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन में पॉक्सो अधिनियम और आईपीसी धारा 354 (ए) के तहत केस दर्ज किया गया।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि दो फरवरी को जब मदद मांगने के लिए येडीयुरप्पा से मिलने गई, तो उसका यौन उत्पीड़न किया गया। इस घटनाक्रम के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर से मुलाकात की और मामले पर चर्चा की। शिवकुमार ने कहा कि उन्हें अभी घटनाक्रम के बारे में पता चला है और उनके पास और कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, चूंकि मामला संवेदनशील है, गृह मंत्री से बात कर इसके बारे में जानकारी देंगे। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा, येडीयुरप्पा एक वरिष्ठ राजनेता हैं। इस घटना के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं है। कल (गुरुवार) रात एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

परमेश्वर ने कहा, यह एक पूर्व मुख्यमंत्री से जुड़ा संवेदनशील मामला है। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, अधिक जानकारी नहीं दी जा सकती। अगर जरूरत पड़ी तो पीड़िता को सुरक्षा दी जाएगी। परमेश्वर ने कहा, इस मामले पर सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम शिवकुमार के साथ चर्चा की गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार बेलगावी से चुनाव लड़ेंगे : येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता बी.एस. येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी नेता जगदीश शेट्टार बेलगावी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य येडीयुरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा, जगदीश शेट्टार कल मुझसे मिले थे। वह बेलगावी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे। मैंने उन्हें वहां से चुनाव लड़ने के लिए मना लिया है। वह खुशी-खुशी इस पर सहमत हो गए हैं। भाजपा ने अभी तक इस सीट पर आधिकारिक रूप से उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। येडीयुरप्पा ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा बेलगावी से भारी अंतर से चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से हम कर्नाटक की सभी 28 सीटें जीतेंगे। बेलगावी सीट का प्रतिनिधित्व वर्तमान में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री दिवंगत सुरेश अंगड़ी की पत्नी मंगला अंगड़ी करती हैं। मंगला ने 2021 के उपचुनाव में कांग्रेस नेता सतीश जारकिहोली को 5,000 से अधिक वोटों के मामूली अंतर से हराया था। सुरेश अंगड़ी के निधन के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी।

तुमकुरु लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार वी सोमन्ना शुक्रवार को तुमकुरु में एक रोड शो के दौरान भाजपा नेताओं के साथ प्रचार करते हुए।

कर्नाटक की शिवमोगा सीट दिलचस्प मुकाबले के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कर्नाटक में शिवमोगा लोकसभा सीट को पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा और उनके परिवार का गढ़ माना जाता है। यहां इस बार दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। येडीयुरप्पा के बेटे बी.वाई. राघवेंद्र इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्हें चौथी बार निर्वाचित होने की उम्मीद है। कांग्रेस ने यहां से दिवंगत पूर्व सीएम बी.एस. बांगरप्पा की बेटी गीता शिवराजकुमार को मैदान में उतारा है। गीता कन्नड सुपरस्टार डॉ. शिवराजकुमार की पत्नी हैं।

उधर, भाजपा के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता के.एस. ईश्वरप्पा ने शिवमोगा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने पर फैसला करने के लिए अपने समर्थकों के साथ बैठक बुलाई है। ईश्वरप्पा ने यह कदम अपने बेटे के.ई. कंथेश को हावेरी लोकसभा सीट से बीजेपी से टिकट नहीं दिए जाने के बाद उठाया है। गीता शिवराजकुमार शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा की बहन भी हैं। कांग्रेस भाजपा से सीट छीनने और येडीयुरप्पा के परिवार को झटका देने के लिए अपनी रणनीति बना रही है। अपनी पार्टी के खिलाफ ईश्वरप्पा की बगावत से कांग्रेस खेमे में खुशी का माहौल है।

इस निर्वाचन क्षेत्र ने 2009 और 2019 के आम चुनावों में बी.वाई. राघवेंद्र को सांसद के रूप में चुना था।

वह शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा के खिलाफ 2018 के संसदीय उपचुनाव में भी विजयी हुए। 2014 में, येडीयुरप्पा खुद इस सीट से लड़े और 3.63 लाख वोटों के भारी अंतर से चुने गए। गीता शिवराजकुमार, जिन्हें जद (एस) के उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारा गया था, तीसरे स्थान पर खिसक गईं। 2009 में अपने पहले लोकसभा चुनाव में, राघवेंद्र ने दिवंगत पूर्व सीएम एस. बंगारप्पा को हराया था। भाजपा और कांग्रेस की उम्मीदवारी की घोषणा के बाद दोनों ओर से तीर चलने लगे हैं। ऐसे में ईश्वरप्पा की बगावत ने मुकाबला और दिलचस्प बना दिया है।

येडीयुरप्पा के करीबी सहयोगियों में से एक ईश्वरप्पा शिवमोगा जिले से हैं और उन्होंने कर्नाटक में पार्टी के विकास में अहम भूमिका निभाई है। ईश्वरप्पा ने शुक्रवार को येडीयुरप्पा पर निशाना साधा और कहा कि उनकी वजह से ही उनके बेटे को टिकट नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, मेरे समर्थकों ने एक बैठक बुलाई है। देखते हैं क्या होता है। अब वे मुझे एमएलसी बनाने का वादा कर रहे हैं, जिस पर मैं विश्वास नहीं करने वाला। जब भाजपा सत्ता में थी, तब ईश्वरप्पा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और जब उन्हें शिमोगा शहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया, तो उन्होंने कोई बयान जारी नहीं किया।

बेंगलूरु के होटल में उज्बेकिस्तान की महिला मृत पाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उज्बेकिस्तान की 37 वर्षीय एक महिला शहर के एक होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जरीना पर्यटक वीजा पर भारत आई थी और चार दिन पहले शेषाद्रिपुरम के एक होटल में रुकी थी। पुलिस को संदेह है कि उज्बेकिस्तान की नागरिक की होटल के कमरे में गला घोंटकर हत्या की गई। उसने बताया कि यह मामला बृहस्पतिवार को उस समय सामने आया जब एक व्यक्ति ने होटल के 'रिसेप्शन डेस्क' पर शिकायत की कि महिला फोन कॉल नहीं उठा रही है। जब होटलकर्मियों ने महिला के कमरे में जाकर देखा तो उन्हें वह मृत मिली जिसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया है और मामले की जांच जारी है।

कलबुर्गी में शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के लिए सुरक्षा व्यवस्था देखते सुरक्षाकर्मी।

उच्च न्यायालय ने भाजपा को प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान कोयंबटूर में रोड शो की इजाजत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कोयंबटूर पुलिस को निर्देश दिया कि वह 18 मार्च को शहर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चार किलोमीटर का रोड शो आयोजित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दे। न्यायमूर्ति एन. आनंद वेंकटेश ने सहायक पुलिस आयुक्त, आर एस पुरम रेंज को यह निर्देश कोयंबटूर के भाजपा जिला अध्यक्ष जे रमेश कुमार की याचिका पर दिया, जिसमें भाजपा को सोमवार को रोड शो करने की अनुमति देने से इनकार करने के आदेश को चुनौती दी गई।

रमेश कुमार ने अपनी याचिका में कहा कि उन्होंने कोयंबटूर के मेट्टुपालयम में चार किमी का रोड शो करने की अनुमति के लिए 14 मार्च को पुलिस के पास आवेदन किया था।

उन्होंने कहा कि रोड शो का उद्देश्य कोयंबटूर के लोगों को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना है। याचिका में कहा गया कि रोड शो के दौरान विभिन्न योजनाओं में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) का फायदा उठाने और तमिलनाडु में हालिया समय में सामने आई मादक द्रव्य की घटनाओं के मद्देनजर नशीले पदार्थों से लोगों को दूर रहने के लिए जागरूक करना है।

कुमार ने कहा कि उनके आवेदन को इस आधार पर खारिज कर दिया गया कि इस तरह के रोड शो के आयोजन की स्थिति में कोयंबटूर में कानून और व्यवस्था की दिक्कतें उत्पन्न हो सकती हैं और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होगा। उन्होंने याचिका में कहा कि यह आदेश मनमाना था और भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदत्त मौलिक अधिकारों के विपरीत था। कुमार ने याचिका में कहा कि इनकार के लिए बताए गए कारण बिल्कुल भी उचित नहीं थे और रोड शो आयोजित करने के लिए लगाई गई किसी भी शर्त का पालन करने की उनकी इच्छा के बावजूद राजनीतिक कारणों से पुलिस ने इसे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

सीएए मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव पैदा करता है : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शुक्रवार को कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) देश में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव पैदा करता है। विजयन ने आज संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय इस्लामोफोबिया मुकाबला दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह बात कही। उन्होंने कहा, इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस दुनिया भर में मुसलमानों के प्रति बढ़ते घृणा अपराधों और असहिष्णुता की मार्मिक याद दिलाता है।

उन्होंने कहा, हमारे देश में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव करने वाले 'सीएए' को लेकर यह दिन सभी प्रकार की कट्टरता के खिलाफ लोगों को एकजुट करने के लिए सद्भाव और करुणा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर देता है। गौरतलब है कि वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस्लामोफोबिया का मुकाबला करने के लिए 15 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में स्थापित करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी थी।

संबोधन

बेंगलूरु में शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार केपीसीसी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

न्यायालय सनातन धर्म संबंधी बयानों के लिए प्राथमिकियों को लेकर उदयनिधि की याचिका पर सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि वह तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म के उन्मूलन संबंधी टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के अनुरोध वाली याचिका पर अप्रैल में सुनवाई करेगा। उदयनिधि की याचिका पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि इस पर एक अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई की जाएगी।

चार मार्च को याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने उदयनिधि की टिप्पणी को लेकर अप्रसन्नता जताते हुए सवाल किया था कि बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का दुरुपयोग करने के बाद उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने के लिए अदालत का रुख क्यों किया है। शीर्ष अदालत ने उदयनिधि से कहा था कि मंत्री होने के नाते उन्हें बयान देते समय सावधानी बरतनी चाहिए थी और उनके संभावित परिणामों के प्रति सचेत रहना चाहिए था।

तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि, मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख एम के स्टालिन के पुत्र हैं। सितंबर 2023 में एक सम्मेलन में उदयनिधि ने कहा था कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसे जड़ से उखाड़ फेंकना चाहिए। सनातन धर्म की तुलना कोरोना वायरस, मलेरिया और डेंगू से करते हुए उन्होंने कहा कि इसे मिटा देना चाहिए। पत्रकार अर्नब गोस्वामी, भाजपा नेता नूपुर शर्मा और कुछ अन्य लोगों से जुड़े मामलों में शीर्ष अदालत के आदेशों का हवाला देते हुए उदयनिधि की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने पीठ को बताया था कि इन सभी में शीर्ष अदालत प्राथमिकियों को जोड़ने पर सहमत हुई थी।

सघवी ने चार मार्च को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत से कहा था, मैं (मामले के) गुण-दोष पर एक शब्द भी नहीं कह रहा हूं, मैं इसे उचित नहीं ठहरा रहा हूं या आलोचना नहीं कर रहा हूं। प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की याचिका से मामले के गुण-दोष पर फर्क नहीं पड़ेगा।

पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल रामदास का हैदराबाद में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) एल. रामदास का उम्र संबंधी बीमारियों के चलते यहां के एक सैन्य अस्पताल में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनकी बेटी सागरी आर. रामदास ने बताया कि रामदास को 11 मार्च को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शुक्रवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण वह लगभग नौ महीने पहले हैदराबाद में मेरे साथ रहने आ गए थे। उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार 16 मार्च को हैदराबाद में किया जाएगा।

एडमिरल रामदास के परिवार में उनकी पत्नी ललिता रामदास और तीन बेटियां हैं। उन्होंने 30 नवंबर 1990 को भारतीय नौसेना के 13वें प्रमुख (सीएनएस) के रूप में पदभार संभाला था और 1993 में सेवानिवृत्त हो गए थे। एडमिरल लक्ष्मीनारायण रामदास सेवानिवृत्ति होने के बाद महाराष्ट्र के अलीबाग में रहने लगे थे।

माकपा के वेंकटेशन दोबारा मदुरै सीट से किस्मत आजमाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लोकसभा में मदुरै से माकपा के मौजूदा सांसद सु वेंकटेशन 2024 में भी इसी सीट से किस्मत आजमाएंगे, जबकि पार्टी में उनके सहयोगी आर सचितानंदम को डिंडीगुल सीट से मैदान में उतारा गया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने शुक्रवार को यह घोषणा की। माकपा की राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित वेंकटेशन केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के मुखर आलोचक रहे हैं, खासकर मदुरै में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) स्थापित करने की परियोजना में देरी को लेकर। माकपा के राज्य सचिव के बालकृष्णन ने यहां संवाददाताओं से कहा, पार्टी के डिंडीगुल जिला सचिव सचितानंदम ने पार्टी की तीन दशकों से अधिक समय से समर्पित होकर सेवा की है और किसानों के हितों की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें मैदान में उतारने के फैसले पर आज पार्टी की राज्य समिति की बैठक में मुहर लगाई गई।

जल संसाधन मंत्री ने किया सूचना पोर्टल का लोकार्पण

आमजन को मिलेगी प्रदेश के बांधों और नहरों के जल स्तर की रियल टाइम जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।सूचना तकनीक के उपयोग से प्रदेश के प्रमुख जलाशयों के जलस्तर एवं नहरों में प्रवाहित जल का रियल टाइम डेटा पब्लिक डोमेन में उपलब्ध कराने की दिशा में राजस्थान ने एक अभिनव पहल की है। इस सम्बन्ध में शुक्रवार को सिंचाई भवन में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राज्य जल संसाधन सूचना प्रणाली डैशबोर्ड का लोकार्पण किया। इस पोर्टल से न केवल बाढ और सूखे के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सहायता मिलेगी, बल्कि पानी की उपलब्धता के आधार पर जल का बेहतर प्रबंधन भी संभव होगा। यह प्रणाली जल संसाधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत विकसित की गई है। राजस्थान यह पोर्टल लॉन्च करने वाला देश का पहला राज्य है।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री ने कहा कि राजस्थान जैसे वर्षा की कमी वाले प्रदेश में जल प्रबंधन की दिशा में यह पोर्टल मील का पत्थर साबित होगा। जल की उपलब्धता की रियल टाइम जानकारी मिलने का सबसे ज्यादा फायदा किसानों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्षा, जलभराव, तापमान, भू जल की स्थिति और सतही जल की उपलब्धता की लगातार मॉनिटरिंग से प्रदेश के जल संसाधनों का बेहतर व सतत प्रबंधन किया जा सकेगा। रावत ने अधिकारीयों को इस पोर्टल पर आमजन द्वारा सुझाव देने, टिप्पणी और शिकायत करने की भी व्यवस्था करने के लिए भी निर्देशित किया, ताकि आमजन अथवा किसानों की समस्याओं व शंकाओं का त्वरित समाधान किया जा सके।

रावत ने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के कारण यहां सतही जल की कमी है। पानी की इस समस्या के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में प्रदेश को ईआरसीपी, हथिनीकुंड (ताजेवाला हैड) परियोजना की सौगात दी है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उसके बारे में अधिकाधिक जानकारी होना सबसे अहम है। इसी बात को ध्यान में रखकर राज्य सरकार भी प्रदेशवासियों को सुसंगत आंकड़े पारदर्शिता के साथ उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

चुनावी बॉण्ड खुलासे से भाजपा की लूट देश के सामने आई : गहलोत

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी बॉण्ड को लेकर शुक्रवार को एक बार फिर केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और कहा कि आंकड़े सामने आने से उसकी लूट देश के सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सट्टेबाजी, जुआ आदि का काम करने वाली कंपनियों तक से चंदा लिया है और यही भाजपा के चरित्र का सत्यापन है। गहलोत की यह टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावी बॉण्ड के आंकड़े सार्वजनिक किए जाने के एक दिन बाद आई है।

गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में कहा, इलेक्टोरल बॉण्ड का डाटा सार्वजनिक होने के बाद भारतीय जनता पार्टी द्वारा मचाई गई लूट देश के सामने आ गई है। उन्होंने लिखा, चुनावी बॉन्ड की जानकारी से तो ऐसा लगता है कि ईडी, भाजपा का वसूली विभाग बनकर रह गई है। जिन कंपनियों पर केंद्रीय एजेंसियों ने छापे मारे, उन्होंने ही भाजपा को इलेक्टोरल बॉण्ड से चंदा दिया और उनके खिलाफ चल रही कार्रवाई रुक गईं। पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा ने सट्टेबाजी, जुआ आदि का काम करने वाली कंपनियों तक से चंदा लिया और यही भाजपा के चरित्र का सत्यापन है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शुरू से कह रही थी कि इलेक्टोरल बॉण्ड देश का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने कहा अब यह देश के सामने आ गया है कि भाजपा देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है जिसने भ्रष्टाचार का सरकारीकरण कर दिया है।

स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अधिकाधिक जुड़े नई पीढ़ी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने युवाओं से महर्षि दयानंद सरस्वती द्वारा भारतीय संस्कृति और राष्ट्रोत्थान के लिए किए गए कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को चाहिए कि वे नई पीढ़ी को स्वामी दयानंद सरस्वती के विचार-अवदान से संस्कारित करते हुए समाजोत्थान में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें। मिश्र शुक्रवार को राजस्थान विश्वविद्यालय के मानविकी सभागार में राष्ट्र-अभ्युदय एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के संवाहक महर्षि दयानन्द सरस्वती विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने स्वामी द्वारा वेदों की ओर लौटें नारे के आलोक में उनके विचारों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वेदोद्धारक के रूप में अंधविश्वास, सामाजिक रूढियों और कुरुतियों के निवारण में स्वामीजी ने जो भूमिका निभाई, उसे जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानंद क्रांतिकारी समाज सुधारक और विचारक थे। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान स्वामी दयानंद की कर्मभूमि रहा है, यहीं उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश की रचना की और यहीं उन्होंने अजमेर में परोपकारिणी सभा का गठन किया। मिश्र ने कहा कि सामाजिक कुरीतियां के निवारण के साथ महिला शिक्षा के लिए भी उन्होंने क्रांतिकारी कदम उठाए।

मुख्यवक्ता के रूप में सारस्वत अतिथि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमदेव शतांशु ने महर्षि दयानंद सरस्वती के वैदिक चिंतन, उनके सामाजिक सुधारों और कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि वह ऐसे ऋषि थे जिन्होंने भारत की ज्ञान परंपरा को व्यावहारिक रूप में जन-जन के लिए व्याख्यायित किया। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा शिक्षा सुधार, हिंदी को बढ़ावा देने और स्वराज के लिए किए उनके कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। वहीं राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने स्वामीजी के विचारों को युगानुकुल बताया।

राजस्थान स्थित महावीर जी मंदिर में बनेगा 'पैनोरमा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार करौली जिले के महावीर जी मंदिर में 'पैनोरमा' बनवाएगी और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग में विकास कार्य करेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने यह घोषणा की। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रदेश की गौरवशाली ऐतिहासिक धरोहर एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से 12 स्थानों पर पैनोरमा (किसी की व्यापक, अबाधित या संपूर्ण दृश्य वाली तस्वीर), स्मारक एवं संग्रहालय निर्माण और विकास कार्यों की घोषणा की है।

बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि राजस्थान के लोक देवी-देवताओं, योद्धा-महापुरूषों, संत-महात्माओं के व्यक्तित्व एवं जीवन से जुड़ी जानकारी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है एवं इसके लिए सरकार द्वारा विभिन्न कार्य कराए जाएंगे ताकि युवा पीढ़ी को इन महापुरूषों के जीवन से रू-ब-रू होने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का अवसर मिल सकेगा। इसके तहत, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण करौली जिले के महावीर जी मंदिर में 'महावीर जी पैनोरमा', अजमेर में 'जैन मुनि विद्यासागर जी महाराज पैनोरमा', डीडवाना-कुचामन के कालवा में भक्त शिरोमणि करमा बाई, बीकानेर के कतरियासर में जसनाथ जी, बालोतरा के बायतू में खेमा बाबा, चित्तौड़गढ़ में भामाशाह, जोधपुर में राव चन्द्रसेन, भरतपुर में गोकुला जाट और जैसलमेर में 'जैसलमेर पैनोरमा' का निर्माण कराएगा।

साथ ही, ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के विकास कार्य, जयपुर जिले में राजस्थान के वीर-वीरांगनाओं के योगदान के प्रदर्शन हेतु स्वातंत्र्यवीर संग्रहालय और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन में गांवों के योगदान की स्मृति में 'स्वातंत्र्य गांव' स्मारक का निर्माण भी कराया जाएगा।

अब हर जिला अस्पताल में 'रामाश्रय' वृद्धजनों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के हर जिला अस्पताल में अब वृद्धजनों की सेवा-सुश्रुषा एवं उपचार और बेहतर हो सकेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस दिशा में संवेदनशील पहल कर सभी जिला अस्पतालों में वृद्धावस्था विशेषज्ञ इकाई (जीरियाट्रिक वार्ड एवं जीरियाट्रिक क्लिनिक) बनाए हैं। इन्हें 'रामाश्रय' के नाम से जाना जाएगा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजकीय अस्पतालों में आने वाले वृद्धजनों को सुगमतापूर्वक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए जीरियाट्रिक वार्ड की स्थापना के निर्देश दिए थे।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने इस मानवीय पहल को 100 दिवसीय कार्य योजना में शामिल करवाया। चिकित्सा मंत्री के निर्देशों पर 100 दिवसीय कार्य योजना में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने 49 जिला चिकित्सालयों में यह सुविधा प्रारम्भ कर दी है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रायः यह देखा जाता था कि अस्पतालों में भर्ती होने वाले बुजुर्गों को उपचार को लेकर असहजता महसूस होती थी। इस समस्या के समाधान की दृष्टि से प्रदेश के सभी राजकीय जिला अस्पतालों में जीरियाट्रिक वार्ड शुरू करने का निर्णय लिया गया। 100 दिवसीय कार्य योजना के तहत इस पहल को प्राथमिकता दी गई और अल्प समय में ही 49 जिला अस्पतालों में 'रामाश्रय' तैयार कर क्रियाशील कर दिए गए हैं।

श्रीमती सिंह ने बताया कि इन रामाश्रयों में वृद्धजनों के उपचार एवं देखभाल की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इन वार्डों में 10 फाउलर बैड होंगे। इनमें से 5 बैड महिला एवं 5 बैड पुरूषों के लिए आरक्षित किए गए हैं। हर बैड के बीच पार्टीशन कर परदे लगाए गए हैं। बैड के पास नर्सिंग अलार्म सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में वृद्धजन तुरंत नर्सिंग स्टाफ को बुला सकें। वार्ड में महिला एवं पुरूष रोगियों के लिए अलग-अलग शौचालय हैं। इन शौचालयों में ग्रेब-बार लगाए गए हैं। वार्ड में फिजियोथेरेपिस्ट एवं फिजियाथैरेपी से संबंधित उपकरणों की समुचित व्यवस्था की गई है। इनमें शॉर्ट वेव डायाथर्मी, अल्ट्रासाउण्ड थैरेपी, सरवाइकल ट्रैक्शन, पैल्विक ट्रैक्शन, ट्रांस इलेक्ट्रिक नर्व स्टिमुलेटर जैसे उपकरण शामिल वार्ड में व्हील चेयर, ट्रोली, मेडिसिन कैबिनेट एवं अन्य आवश्यक फर्नीचर उपलब्ध करवाया गया है।

पुष्कर में अन्तरराष्ट्रीय होली महोत्सव का आयोजन 24 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान में अजमेर के निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर में 'अन्तराष्ट्रीय होली महोत्सव' का आयोजन 24 मार्च को होगा, जिस पर नगरपालिका पुष्कर लाखों रुपये व्यय करेगी। पुष्कर नगरपालिका सूत्रों के अनुसार पुष्कर में होली का त्योहार मनाने की लोकप्रियता को देखते हुये पालिका प्रशासन ने भीड़भाड़ से दूर मेला मैदान पर होली फेस्टिवल मनाने का निर्णय लिया है, जहां देशी- विदेश पर्यटक 'अबीर-गुलाल' से होली खेल सकेंगे। साथ ही पवित्र सरोवर के वराह घाट तथा ब्रह्मा घाट पर भी होली उत्सव मनाया जायेगा।

पुष्कर की 'कपड़ा फाड़' होली जग प्रसिद्ध है , लेकिन पालिका प्रबंधन इस पर मौन है। उत्साहित युवा अपने आप को रोक पायेंगे, इसका संशय है । ऐसे में माना जा रहा है कि सरकारी आयोजन की आड़ में 'कपड़ा फाड़' होली भी हो सकती है। पालिका प्रशासन ने होली फेस्टिवल में सुरक्षा के कड़े इन्तजाम किये हैं। उल्लेखनीय है कि 16 मार्च को लोकसभा चुनाव की आचारसंहिता लगना संभावित है। ऐसे में नगर निगम अजमेर में आज ही फाग महोत्सव आयोजित कर आचार संहिता उल्लंघन से अपना बचाव कर लिया। देखना होगा आचार संहिता के बीच पुष्कर होली फेस्टिवल सरकारी पैसे से हो भी पायेगा या नहीं ?

पेपर लीक प्रकरण के दोषियों के खिलाफ की जा रही कड़ी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेपर लीक प्रकरण के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है तथा अपराधियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पेपरलीक एवं भर्ती घोटाले के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों में लिप्त बड़े से बड़े अपराधी अथवा भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों कि विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें जिससे इस समस्या को जड़ से समाप्त किया जा सके।

उन्होंने भर्ती घोटालों में संदिग्ध भूमिका वाले राज्य के कर्मचारियों को चिह्नित करने के भी निर्देश दिए।

तीन कानूनों में किए गए बदलाव सही है : मनन मिश्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष मनन मिश्रा ने केंद्र सरकार द्वारा तीन कानूनों में किये गये बदलाव को सही ठहराते हुये कहा कि इसके लिये बार एसोसिएशन ने पूरी समीक्षा के बाद इनको सही माना, क्योंकि इसमें परिवादी और साक्ष्य की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा का पूरा प्रावधान है। मिश्रा ने शुक्रवार को अलवर में केंद्रीय मंत्री और अलवर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार भूपेंद्र यादव के समर्थन में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहीं। उन्होंने 'एक देश एक चुनाव' के प्रस्ताव का समर्थन करते हुये कहा कि यह चुनाव देश में सामाजिक , प्रेम भाव और पैसे की बचत का होगा, क्योंकि पहले भी 'एक देश एक चुनाव' चलता था लेकिन बीच में यह मामला बिगड़ गया। उन्होंने कहा कि 25 लाख वकील अलवर के उम्मीदवार के साथ हैं, क्योंकि भाजपा ने यादव के रूप में उच्चतम न्यायालय के एक वकील को उतारा है जो अपनी मेहनत से उच्चतम न्यायालय तक पहुंचे हैं और उनमें अच्छी समझ है।

मिश्रा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में वकीलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है जो देश और समाज के निर्माण में काम करते हैं। अब धीरे-धीरे देश की राजनीति में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होने लगी है। भाजपा द्वारा उच्चतम न्यायालय के वकील को लोकसभा चुनाव का टिकट दिये जाने से पूरे देश के वकीलों में खुशी की लहर है। यादव देश के जाने-माने वकीलों में शामिल हैं।

खर्रा ने किया बीएनआई बिज एक्सपो-2024 का उद्घाटन

जयपुर। राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बीएनआई बिज एक्सपो के छठे संस्करण का शुक्रवार को यहां उद्घाटन किया। खर्रा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे जबकि जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, गलता पीठ के महंत अवदेशाचार्य महाराज और सौरभ राघवेंद्र महाराज भी मौजूद थे। 15 से 17 मार्च तक चलने वाले तीन दिवसीय एक्सपो में 1200 से अधिक बिजनेस प्रोफेशनल्स बिजनेस और सर्विस से जुड़ी जानकारी साझा करेंगे।

जासूसी के आरोप में आर्मी वर्दी स्टोर का संचालक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस की खुफिया टीम ने जासूसी के आरोप में आर्मी वर्दी स्टोर के संचालक को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (खुफिया) संजय अग्रवाल ने बताया कि आरोपी आनन्दराज सिंह (22) को आर्मी की सामरिक महत्व की सूचना एकत्रित कर सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी के आकाओं को साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी का सूरतगढ़ में छावनी के बाहर वर्दी का स्टोर है।

उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी की जासूसी गतिविधियों पर राजस्थान पुलिस की खुफिया टीम द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। संकलित विश्वस्त आसूचना से पाया गया कि सूरतगढ़ में छावनी के बाहर वर्दी स्टोर चलाने वाला आनंदराज नामक युवक सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी की तीन महिला आकाओं के निरंतर संपर्क में है। अग्रवाल ने बताया कि सैन्य परिसर के पास काम करने एवं वर्दी स्टोर के माध्यम से आरोपी आनंदराज सैन्यकर्मियों के संपर्क में था। इस कारण सेना के संबंध में सूचनाएं रखता था।

खुफिया विभाग की जयपुर की टीम द्वारा आनंदराज की गतिविधियों पर गहन निगरानी रखी गई तो पाया कि वह सेना की सामरिक महत्व की सूचना एकत्रित कर सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तान गुप्तचर एजेंसी की तीन महिला आकाओं को भेज रहा था। अग्रवाल ने बताया कि आनंदराज पिछले कुछ समय से वर्दी स्टोर का काम छोड़कर बहरोड़ क्षेत्र में एक फैक्टरी में काम कर रहा था। इस दौरान भी वह पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी की महिला आकाओं के लगातार संपर्क में रहा तथा अपने स्रोतों से सेना की महत्वपूर्ण एवं गोपनीय जानकारी प्राप्त कर महिला पाक एजेंट को साझा कर रहा था। गोपनीय सूचनाएं पाक गुप्तचर एजेंसी को भेजने की एवज में उसने धनराशि की मांग भी की।

पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी सैन्य कर्मियों के साथ-साथ परिसर के आसपास काम करने वाले आम नागरिकों को भी निशाना बनाकर सेना के संबंध में गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करती रहती है। इसके लिए मुख्य रूप से महिला आकाओं द्वारा भारतीय मोबाइल नंबरों पर संचालित हो रहे सोशल मीडिया खाते का उपयोग किया जाता है और सैन्य कर्मियों एवं सेना की जानकारी रखने वाले व्यक्तियों को मोह पाश में फंसा कर उनसे सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की जाती है जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक है।

मुख्यमंत्री ने पेट्रोल, डीजल पर राजस्थान में एक राज्य, एक कीमत प्रभावी होने को बताया ऐतिहासिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शुक्रवार को राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर आभार जताया।

एसोसिएशन के सदस्यों ने पेट्रोल और डीजल पर वैट कम करने और एक राज्य, एक कीमत को लागू करने को बहुप्रतीक्षित एवं ऐतिहासिक कदम बताया। सदस्यों ने मुख्यमंत्री को साफा पहना कर तथा मुंह मीठा करवा कर उनका स्वागत अभिनंदन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन का कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा हमारी डबल इंजन सरकार डबल स्पीड से काम कर आम जन को राहत देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में पेट्रोल व डीजल पर वैट में कमी की गई है, जिसका फायदा सभी प्रदेशवासियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि अलग-अलग जिलों में पेट्रोल व डीजल की दरों में विसंगति दूर करने के निर्णय से सीमावर्ती जिलों के लोगों तथा पेट्रोल पंप डीलर्स को लाभ मिलेगा।

राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह भाटी ने राज्य सरकार के निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि वैट दरों में 2 प्रतिशत कमी लाने का राज्य सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है। साथ ही, अलग-अलग जिलों में दरों की विसंगति दूर होने के बाद राजस्थान अब देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां एक राज्य-एक कीमत प्रभावी हो गई है।

जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी पड़गी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलरामपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा इस संकल्प के साथ सत्ता में आई है कि वह राजनीति का अपराधीकरण हरगिज नहीं होने देगी, जो भी नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेगा, उसको उसकी कीमत चुकानी पड़गी।

योगी आदित्यनाथ ने यहां कोइलरा स्थित मां पाटेश्वरी देवी राज्य विश्वविद्यालय के भूमिपूजन समारोह के उपरांत जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आपराधिक प्रवृतियों वाले तत्वों ने इस प्रदेश की सुदंरता बिगाड़ने की चेष्टा की। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया लेकिन वह अक्सर विपक्षी दलों खासकर समाजवादी पार्टी को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को प्रश्रय देने को लेकर निशाना बना चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, राजनीति का अपराधीकरण तंत्र में सबसे बड़ी बाधा थी। लेकिन हमने राजनीति का अपराधीकरण नहीं होने देने का संकल्प ले रखा है। उन्होंने कहा, हम किसी को भी अपने नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं करने देंगे। जो भी युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। डबल इंजन सरकार पूरे संकल्प के साथ इस दिशा में काम करती है। इस अवसर पर उन्होंने बलरामपुर की 1,488.89 करोड़ रुपए की 466 विकास परियोजनाओं और श्रावस्ती की 260.37 रुपए करोड़ की 31 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा और मार्गदर्शन से आकांक्षात्मक जनपदों को विकसित जनपदों की श्रेणी लाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने कहा कि बलरामपुर और श्रावस्ती का गौरवशाली इतिहास रहा है तथा यहां मां पाटेश्वरी की कृपा पूरे क्षेत्र में बरसती है। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के श्रद्धालु हर साल बड़ी संख्या में यहां दर्शन करने आते हैं। उन्होंने कहा कि श्रावस्ती को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के पुत्र लव ने अपनी राजधानी बनाया था, यही नहीं श्रावस्ती में भगवान बुद्ध ने चातुर्मास व्यतीत किया था। उन्होंने कहा कि दसवीं-ग्यारहवीं सदी में अपने शौर्य और पराक्रम से भारत की स्वाधीनता और स्वाभिमान को बनाए रखने वाले महाराज सुहेलदेव यहीं के राजा थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं को रौंदने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, जिस श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान राम के विराजमान होने के गौरवमयी क्षण के हम हाल ही में साक्षी बने हैं, उसके लिए 1949 से रामजन्म भूमि आंदोलन की शुरुआत इसी बलरामपुर की धरती से हुई थी।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस के कई नेता भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को महू से पूर्व कांग्रेस विधायक अंतर सिंह दरबार और इंदौर से उनके वरिष्ठ पार्टी सहयोगी पंकज संघवी पार्टी के कई अन्य नेताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में इन नेताओं ने आधिकारिक तौर पर अपनी राजनीतिक निष्ठा बदल ली। चुनाव आयोग शनिवार को लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करेगा। सांघवी 2019 के आम चुनाव में इंदौर से कांग्रेस के उम्मीदवार थे।

भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए इन नेताओं ने कहा कि उन्होंने देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री यादव द्वारा किए जा रहे शानदार विकास कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा को गले लगाया है।

पिछले हफ्ते पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी, पूर्व विधायक संजय शुक्ला (इंदौर-1), अर्जुन पालिया (पिपरिया), विशाल पटेल (देपालपुर) सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए थे।

वर्ष 2019 में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश की 29 में से 28 सीट जीती थीं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ, जो छिंदवाड़ा से चुने गए, राज्य में पार्टी के एकमात्र विजेता थे। पिछले दो महीनों में मध्य प्रदेश में कई कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए हैं।

सीएए पर विपक्षी नेताओं के बयानों के विरोध में शरणार्थियों का प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू और सिख शरणार्थियों ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के नेताओं के द्वारा दिए गए बयानों के खिलाफ शुक्रवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी भी की।

प्रदर्शनकारियों में से पंजूराम ने कहा, जब भाजपा-नीत सरकार हमें नागरिकता देने के लिए सीएए लागू कर रही है तो अन्य विपक्षी पार्टियां इसका विरोध क्यों कर रही हैं? इस कानून का विरोध करने के लिए हम उनके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारी जैसलमेर हाउस के पास एकत्र हुए और उन्होंने अकबर रोड की ओर मार्च करना शुरू किया, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया।

शरणार्थियों के विरोध को देखते हुए मध्य दिल्ली इलाके में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। पाकिस्तान के सिंध से भारत आई सोना दास ने कहा, सीएए का विरोध करना अच्छी बात नहीं है। पाकिस्तान से अल्पसंख्यक भारत में शरण के लिए आए हैं। दास ने ''जय श्रीराम'' के नारे लगाते हुए कहा कि हम हिंदू शरणार्थी हैं, हम पाकिस्तान से भागे हैं।

पेपर लीक मामले में तीन मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने शुक्रवार को कहा कि 17 और 18 फरवरी को प्रदेश भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक करने के तीन मुख्य साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने पेपर लीक मामले में अब तक कुल 54 लोगों को गिरफ्तार किया है। बड़े पैमाने पर परीक्षा का पेपर लीक होने की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार को परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। यहां पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने पत्रकार वार्ता में कहा, उत्तर प्रदेश पुलिस और एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की कई टीम की गहन जांच के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि परीक्षा का पेपर इन तीन व्यक्तियों द्वारा लीक किया गया था।

कुमार ने कहा, जब परीक्षा का पेपर प्रिंटिंग प्रेस से स्ट्रांग रूम में ले जाया जा रहा था, तभी आरोपियों ने पेपर लीक कर दिया। उनके अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रयागराज के मूल निवासी अभिषेक कुमार शुक्ला, मिर्ज़ापुर निवासी शिवम गिरी और भदोही जिले के निवासी रोहित कुमार पांडे के रूप में हुई। कुमार ने कहा कि तीनों को बृहस्पतिवार को गाजियाबाद में एसटीएफ की एक टीम ने गिरफ्तार किया। आरोपी भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का हिस्सा हैं। डीजीपी ने कहा, आरोपियों ने पहले मुद्रित प्रश्न पत्रों की ढुलाई में शामिल परिवहन कंपनी के साथ काम किया था। आरोपी फरवरी के पहले सप्ताह में अहमदाबाद के एक गोदाम से पेपर लीक करने में कामयाब रहे, जहां प्रश्न पत्र रखे गए थे।

दक्षिण में बढ़त हासिल करने के लिए भाजपा के अभियान को धार दे रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तीन राज्यों में राजनीतिक कार्यक्रमों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले शुक्रवार को दक्षिण भारत में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी। भाजपा की कोशिश दक्षिण क्षेत्र के पांच राज्यों से अधिक से अधिक सीट हासिल कर उस मिथक को तोड़ने की है कि उसका दबदबा सिर्फ हिंदी पट्टी के ही क्षेत्रों में है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि मोदी अगले चार दिनों यानी 19 मार्च तक सभी दक्षिणी राज्यों का दौरा करेंगे और उन स्थानों पर ध्यान केंद्रित करेंगे जहां सत्तारूढ़ पार्टी को फायदा मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री 17 मार्च को आंध्र प्रदेश में तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा)-भाजपा-जन सेना की संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे। यहां की सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को टक्कर देने के लिए हाल में तीनों दलों ने हाथ मिलाया है। आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

(राजग) की रैली को तीन दलों के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री शनिवार को तेलंगाना के नगरकुरनूल और कर्नाटक के गुलबर्गा में प्रचार करेंगे। गुलबर्गा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गढ़ रहा है। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि वह 18 मार्च को तेलंगाना के जगतियाल और कर्नाटक के शिमोगा में रैलियों को संबोधित कर सकते हैं और तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक रोड शो का नेतृत्व करेंगे।

वह केरल के पलक्कड़ में एक रोड शो करेंगे और 19 मार्च को तमिलनाडु के सलेम में एक रैली को संबोधित करेंगे। मोदी के शुक्रवार को राजनीतिक कार्यक्रमों में तमिलनाडु और केरल में रैलियां और तेलंगाना में रोड शो शामिल हैं। पांच राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में लोकसभा की एक सीट है। कुल 543 लोकसभा सीटों में से दक्षिण भारत में 131 सीट हैं। भाजपा 2011 में पुडुचेरी के अलावा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। हालांकि उसने 28 में से 25 सीटें जीतकर कर्नाटक में बड़ी जीत दर्ज की थी और तेलंगाना में 17 में से चार सीटें जीतकर पहली बार प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। पार्टी पूरे क्षेत्र में बढ़त बनाने की कोशिश कर रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए उसने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में नए गठबंधन बनाए हैं। मोदी ने भाजपा को 370 सीटें और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन को 400 से अधिक सीटें जीतने के लक्ष्य की घोषणा संसद में की थी। इसके लिए पार्टी कर्नाटक के अलावा बाकी क्षेत्रों में भी प्रभावी बढ़त हासिल करने में जुटी हुई है। प्रधानमंत्री ने चुनाव से पहले कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए क्षेत्र में कई जनसभाओं को संबोधित किया। लोस चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा शनिवार को हो सकती है।

जिनकी आबादी 88 प्रतिशत, विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत ही कम : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारत की 88 प्रतिशत आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदायों से है लेकिन प्रशासन, न्यायपालिका और मीडिया सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बहुत कम है। उन्होंने अपनी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सत्ता और संपत्ति को वह लोग नियंत्रित कर रहे हैं जिनकी कुल आबादी छह प्रतिशत है।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा शुरू की गई फसल बीमा योजना से किसानों को नहीं, बल्कि निजी बीमा कंपनियों को फायदा होता है। उन्होंने कहा कि जब बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान होता है, तो सरकार द्वारा बीमा कंपनियों को भारी-भरकम प्रीमियम का भुगतान करने के बावजूद प्रभावित किसानों को कोई मदद नहीं मिलती है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में असंतुलन दूर करने के लिए देशव्यापी जाति जनगणना पर जोर दिया और कहा कि अगर कांग्रेस केंद्र में सत्ता में आई तो वह इस तरह की कवायद को अंजाम देगी। राहुल गांधी ने कहा कि ओबीसी, दलित, आदिवासी और पिछड़े समुदाय देश की आबादी का 88 प्रतिशत हिस्सा हैं लेकिन प्रशासन, मीडिया और न्यायपालिका सहित विभिन्न क्षेत्रों में उनका प्रतिनिधित्व बहुत कम है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया, जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के माध्यम से गरीबों को लूटा गया है। राहुल गांधी ने कहा कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण करते समय उद्योगपति नहीं, बल्कि समाज के गरीब वर्ग प्रभावित होते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पालघर जिले में मुख्य रूप से आदिवासी इलाकों का दौरा किया, जहां स्थानीय निवासियों ने उनका स्वागत किया।

चिराग पासवान के साथ भाजपा के चुनाव पूर्व समझौते पर चाचा पारस ने जताई निराशा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) प्रमुख पशुपति कुमार पारस ने लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीटों के बंटवारे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उनकी पार्टी को कथित तौर पर उचित प्राथमिकता नहीं दिए जाने पर निराशा जताई और कहा कि भाजपा नेतृत्व को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। पारस ने कहा कि रालोजपा, भाजपा की 'ईमानदार सहयोगी' रही है और उसके नेतृत्व को यह ध्यान में रखते हुए निर्णय करना चाहिए कि राज्य में उनकी पार्टी के पांच सांसद हैं। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह हाजीपुर संसदीय सीट से चुनाव लड़ेंगे, जो उनके और उनके भतीजे चिराग पासवान के बीच विवाद का कारण रही है। पारस चिराग पासवान के चाचा हैं।

रामविलास पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी उनके निधन के बाद विभाजित हो गई थी। उनके भाई पारस आरएलजेपी और उनके बेटे चिराग पासवान लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का नेतृत्व करते हैं। दोनों भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा हैं। पारस ने कहा कि उनकी पार्टी ने भाजपा के साथ अपनी दोस्ती अब तक पूरी की है। उन्होंने कहा, हम भाजपा द्वारा उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करेंगे और फिर निर्णय करेंगे।

फिर भाजपा में लौटे बैरकपुर के सांसद अर्जुन सिंह, शुभेंदु अधिकारी के भाई दिव्येंदु भी हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के असंतुष्ट नेता और बैरकपुर के सांसद अर्जुन सिंह शुक्रवार को फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में लौट आए। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ने सिंह को बैरकपुर से टिकट नहीं दिया था, इसके बाद उन्होंने बागी तेवर अपना लिए थे। सिंह के अलावा पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के भाई और तृणमूल कांग्रेस के सांसद दिव्येंदु अधिकारी भी भाजपा में शामिल हो गए। दिव्येंदु पिछले काफी समय से तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व से नाराज थे। वह तमलुक से सांसद हैं।

भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम और राष्ट्रीय सचिव व बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय की मौजूदगी में दोनों नेताओं ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। शुभेंदु अधिकारी के एक और भाई सौमेंदु अधिकारी भाजपा में हैं और पार्टी ने पिछले दिनों उन्हें पूर्वी मेदिनीपुर के कोंटाई संसदीय सीट से उन्हें उम्मीदवार बनाया था। सौमेंदु भी पहले तृणमूल कांग्रेस में थे और तमलुक से सांसद रह चुके हैं। साल 2019 में अर्जुन सिंह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने बैरकपुर में तृणमूल के तत्कालीन उम्मीदवार दिनेश त्रिवेदी को हराया था। भाजपा में मतभेदों के मद्देनजर वह तीन साल बाद तृणमूल में लौट आए थे। तृणमूल कांग्रेस ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की थी। पार्टी ने बैरकपुर लोकसभा सीट से राज्य सरकार में मंत्री पार्थ भौमिक को उम्मीदवार बनाया है।

न्यायालय का 2023 के कानून के तहत निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने 2023 के उस कानून के तहत नए निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्तियों पर रोक लगाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें भारत के प्रधान न्यायाधीश को चयन समिति से बाहर रखा गया है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि निर्वाचन आयुक्तों के चयन के लिए एक बैठक पहले से प्रस्तावित थी। इस पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिकाकर्ताओं से इस तथ्य का उल्लेख करते हुए एक अलग याचिका दायर करने को कहा।

पीठ ने 2023 के कानून के तहत की गई नियुक्तियों पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा, सामान्यत: और आम तौर पर, हम किसी कानून पर अंतरिम आदेश के जरिए रोक नहीं लगाते हैं।

पीठ ने 2023 के कानून के तहत दो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 21 मार्च को करना निर्धारित किया।

याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि जब कोई फैसला पारित किया जाता है तो उसका उल्लंघन नहीं हो सकता। उन्होंने दलील दी कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा और कार्यकाल की शर्तें) अधिनियम, 2023 का साफ तौर पर उल्लंघन हुआ है।

चुनावी बॉण्ड के आरोप पर हिमंत ने कांग्रेस सांसद के खिलाफ कानूनी कदम उठाने की बात कही

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि वह कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई द्वारा चुनावी बॉण्ड को लेकर आरोप लगाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कदम उठाएंगे।

कांग्रेस सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने चुनावी बॉण्ड के जरिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को चंदा देने वाली कंपनी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, माननीय सांसद प्रद्युत बोरदोलोई द्वारा लगाए गए आरोपों में कोई तथ्य नहीं है, और ये पूरी तरह से निराधार हैं।

'पिता ने कहा कि घरेलू क्रिकेट ऐसे ही खेलो जैसे भारत के लिए खेल रहे हो'

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टेस्ट टीम में हाल ही में पदार्पण करने वाले सरफराज खान ने शुक्रवार को बताया कि उनके पिता नौशाद ने उन्हें घरेलू क्रिकेट इस तरह खेलने की हिदायत दी कि जैसे वे राष्ट्रीय टीम के लिए खेल रहे हों।

राष्ट्रीय स्तर पर रनों का ऊंचा अंबार लगाने के बावजूद सरफराज के भारतीय टीम में चयन में विलंब होता रहा तो सरफराज के पिता ने उन्हें कहा कि घरेलू क्रिकेट क मैच को ऐसे ही खेलो जैसे ये भारतीय टीम के मुकाबले हों। सरफराज को आखिरकार हाल में इंग्लैंड के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला

के दौरान भारत के लिए खेलने का मौका मिला जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक जड़कर अपनी प्रतिभा की झलक दिखायी। प्रथम श्रेणी में 14 शतक और 69.85 के औसत से रिकॉर्ड 3912 रन बनाने के बावजूद सरफराज को टीम इंडिया में जगह नहीं मिली तो पिछले साल महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने उनके टेस्ट चयन के लिए समर्थन किया। सरफराज ने यहां 'इंडिया टुडे कान्क्लेव' में कहा, मैं अपने पिता से पूछता कि मुझे भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलेगा तो वह मुझे सिर्फ एक चीज कहते। ऐसा सोचो कि तुम अपने अगले घरेलू मैच में भारत के लिए खेल रहे हो और ऐसे ही रन जुटाओ। उन्होंने कहा, इसलिए मेरा सिर्फ एक ही काम था कि जहां भी मैं खेलता, वहां रन जुटाता।

ब्रेक से लौटकर मानसिक रूप से तरोताजा होंगे कोहली : बद्रीनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुब्रहमण्यम बद्रीनाथ ने शुक्रवार को कहा कि ब्रेक से लौटकर विराट कोहली मानसिक रूप से तरोताजा होंगे और आईपीएल में इसका फायदा मिलेगा। आईपीएल के इतिहास में सभी 16 सत्र एक ही टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए खेलने वाले इकलौते खिलाड़ी कोहली पितृत्व अवकाश के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला से बाहर रहने के बाद आईपीएल में लौटेंगे।

बद्रीनाथ ने पीटीआई से कहा, वह मानसिक और शारीरिक रूप से तरोताजा होंगे। दूसरी बार पिता बनने पर उन्हें बधाई। वही मानसिक रूप से तरोताजा होंगे और इसका फायदा आईपीएल में मिलेगा। उन्होंने कहा, टी20 विश्व कप से पहले आईपीएल में उनके फॉर्म की परख होगी और काफी हाइप बनाई

जाएगी। अगले साल मेगा नीलामी होनी है तो वह आरसीबी को जिताने की कोशिश करेंगे। कोहली की बेहतरीन फिटनेस शीर्ष स्तर के क्रिकेट में उनके लंबे कैरियर का राज है और बद्रीनाथ का मानना है कि वह अगले चार पांच साल टी20 क्रिकेट और खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह उसका आखिरी टी20 विश्व कप होगा क्योंकि वह इतने फिट हैं। वह अगले तीन या चार साल आईपीएल और खेल सकते हैं। आरसीबी अभी तक आईपीएल खिताब नहीं जीत सकी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी: आईसीसी कभी भी बीसीसीआई को उसकी सरकार की नीति के खिलाफ जाने के लिए नहीं कहेगा

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि अगले साल पाकिस्तान में चैम्पियंस ट्रॉफी 'हाइब्रिड मॉडल' पर कराना एक विकल्प हो सकता है क्योंकि आईसीसी भारत की भागीदारी पर फैसला नहीं ले सकता अगर सरकारी नीति उसके खिलाफ है। आईसीसी बोर्ड की बैठक दुबई में चल रही है। चैम्पियंस ट्रॉफी फरवरी . मार्च 2025 में होनी है जिस पर बातचीत बैठक के एजेंडे में नहीं थी लेकिन पीसीबी के नव निर्वाचित अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि वह बीसीसीआई सचिव जय शाह और आईसीसी के आला अधिकारियों से बैठक से इतर बात करके आश्वासन लेने की कोशिश करेंगे। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा कि बीसीसीआई टूर्नामेंट की तारीख करीब आने पर ही फैसला लेगा और यूएई में इसके आयोजन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुविचार

अगर आप उस वक्त मुस्कुरा सकते हो, जब तुम पूरी तरह टूट चुके हो, तो यकीन कर लो कि दुनिया में तुम्हें कभी कोई तोड़ नहीं सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

.. तो 'रामराज्य' आ जाए

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत में 'रामराज्य' स्थापित करने के संबंध में जो बयान दिया है, वह स्वागत-योग्य है। प्रभु श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण करने से ही देश-दुनिया में सुख-शांति और सौहार्द का वातावरण हो सकता है। इन दिनों भारत में चुनावी माहौल है। निर्वाचन आयोग भी लोकसभा और कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करने वाला है। इसके बाद नेतागण पूरी ताकत के साथ चुनाव-प्रचार में जुट जाएंगे। बड़ी-बड़ी जनसभाएं होंगी। एक-दूसरे को ललकारा जाएगा। आरोप-प्रत्यारोप की बौछारें होंगी। सभी नेतागण याद रखें कि प्रभु श्रीराम ने सदैव वाणी के संयम पर जोर दिया था। उन्होंने वनवास संबंधी समाचार सुना तो भी शांत एवं विनम्र बने रहे। निस्संदेह सामान्य लोग उस स्तर का धैर्य धारण नहीं कर सकते। वाणी का वैसा संयम तो अत्यंत कठिन है। फिर भी, नेतागण और उनके कार्यकर्ताओं को चाहिए कि वे ऐसा कोई शब्द न बोलें, जिससे देश की शांति व सद्भाव में खलल पड़े। जो भी शब्द बोलें, सोच-समझकर बोलें। याद रखें, अनर्गल बयानबाजी के कारण पूर्व में कुछ नेताओं को अदालतों के चक्कर लगाने पड़े थे। संसद सदस्यता भी जाते-जाते बमुश्किल बची थी। बेहतर होगा कि नेतागण जिस जनसभा में जाएं, उसके लिए भाषण पहले से लिखित में तैयार रखें। अगर ऐसा संभव न हो तो उसके मुख्य बिंदु तो जरूर तैयार रखें। इससे पूरा भाषण उनके इर्द-गिर्द रहेगा और अनावश्यक बयानबाजी से बचेंगे। नेतागण न भूलें कि यह सोशल मीडिया का ज़माना है। यह अस्सी या नब्बे का दशक नहीं है कि आप तो बोलकर निकल लिए। उसके बाद किसी को शिकायत करनी हो तो वह प्रमाण जुटाने के लिए भाग-दौड़ करता फिरे।

आज आप मंच पर बोलेंगे और सामने कई मोबाइल फोन रिकॉर्डिंग करते रहेंगे। जनसभाओं में सब लोग आपके प्रशंसक, समर्थक नहीं होते। भले ही वे आपके लिए '... ज़िंदाबाद' के नारे लगाएं, आपके नाम की टोपी पहनें। इधर आपकी ज़बान फिसली, उधर आप सोशल मीडिया पर वायरल हो गए! इसमें कुछ सेकंडों या मिनटों का समय लगेगा। प्राय: कुछ नेतागण यह समझते हैं कि वे अपने मुंह से जितने ज्यादा विवादास्पद शब्द बोलेंगे, उनका उतना ही प्रचार होगा। चूंकि वे सोशल मीडिया पर तो छाएंगे ही, समाचार चैनलों पर होने वाली बहसों में भी उन्हीं की चर्चा होगी। हो सकता है कि वे चुनावी मुकाबला तो जीत लें, लेकिन बाद में मामला अदालत में चला गया तो कुर्सी भी जा सकती है! पूरी मेहनत पर पानी फिरने के योग बन सकते हैं। इससे बेहतर है कि जो कुछ बोलें, मर्यादा में रहकर बोलें। प्रभु श्रीराम की वचनबद्धता यूं ही अद्वितीय नहीं मानी जाती। उन्होंने जो वचन दिया, उसका अक्षरश: पालन किया। राजनीतिक दल और नेतागण इन चुनावों में आम जनता के कल्याण से संबंधित कार्य करने के लिए वादे जरूर करें, लेकिन उन्हें निभाने की प्रतिबद्धता भी रखें। यह नहीं होना चाहिए कि चुनाव घोषणापत्र और जनसभाओं में तो बड़े-बड़े सब्जबाग दिखाएं और धरातल पर कुछ न करें। जो वादा नहीं निभा सकते, बेहतर होगा कि उसके लिए साफ इन्कार कर दें। इससे आपकी विश्वसनीयता घटेगी नहीं, बल्कि बढ़ेगी। आज आम जनता के बीच (कई) नेताओं की यह छवि बनी हुई है कि ये सिर्फ वादे करना जानते हैं। एक बार जीत गए तो इनके दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे। कुछ नेतागण यह भी समझते हैं कि वे जनता से जितने दूर रहेंगे, उतने ही बड़े नेता कहलाएंगे। आज का मतदाता ऐसे नेताओं को नकार रहा है। इसलिए जमीन पर रहें, जनता से संवाद करें, उसकी समस्याएं जानें और प्रभावी समाधान लेकर आएं। प्रभु श्रीराम भी आमजन के बीच रहे थे। उनकी प्रेरणा से वानरों ने सागर में सेतु बना दिया और बड़े-बड़े महाबलियों को पछाड़ दिया था। प्रभु के आदर्शों का कुछ अंश भी नेतागण जीवन में उतार लें तो देश में 'रामराज्य' आ जाए।

ट्वीटर टॉक

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। इस अवसर पर आप सभी उपभोक्ता के रूप में अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं जिम्मेदारियों के प्रति सजग होकर जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

-वसुंधरा राजे

संसदीय क्षेत्र कोटा में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। यह विकास कार्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी, पेयजल, सिंचाई व खेल सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। हमारा प्रयास है कि मूलभूत विकास से ग्रामीण जनजीवन को सरल बनाएं।

-ओम बिरला

आज ओटीएस आवास पर बृज विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर युवा हितों को समर्पित विभिन्न विषयों तथा विश्वविद्यालय द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों पर सार्थक चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अनूठा बलिदान

पंजाब के क्रांतिकारी युवक पंडित रामरक्खा को ब्रिटिश राज्य के विरुद्ध विद्रोह भड़काने के आरोप में आजीवन कारावास का दंड देकर अंडमान की जेल भेजा गया। जेल पहुंचते ही जेलर ने उन्हें गले से यज्ञोपवीत को निकालने का आदेश दिया। रामरक्खा ने कहा' 'जनेऊ हम ब्राह्मणों का धार्मिक चिन्ह है। मैं इसे धारण किए बिना पानी तक नहीं पी सकता।' अंग्रेज जेलर के आदेश पर वार्डनों ने उसे पकड़कर जबरदस्ती यज्ञोपवीत उसके गले से निकाल कर तोड़ कर फेंक दिया। रामरक्खा उसी समय से यज्ञोपवीत तोड़े जाने के विरोध में अनशन पर बैठ गया। वीर सावरकर, भाई परमानंद तथा अन्य अनेक क्रांतिकारी भी उसी जेल में बंद थे। सभी ने उससे प्राण रक्षा का आग्रह किया तथा परामर्श दिया कि अन्न ग्रहण कर ले और अपनी जनेऊ धारण करने की मांग करता रहे। किंतु वह स्वाभिमानी धर्मवीर अन्न-जल ग्रहण करने को तैयार नहीं हुआ। लगभग 20 दिन तक अनशन करने के बाद उसने प्राण त्याग दिए। उसके इस अनूठे बलिदान की चर्चा देश के समाचारपत्रों में हुई। उसके प्राणोत्सर्ग का यह परिणाम निकला कि भारतीय बंदियों को यज्ञोपवीत धारण करने की अनुमति मिल गई।

सामयिक

अगर लोकसभा और राज्य विधानसभा के लिए एक साथ चुनाव होता है तो खर्च भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाता है। वहीं, भले ही चुनाव लोकसभा का हो, कानून और व्यवस्था बनाए रखने का खर्च संबंधित राज्य सरकारों की ओर से उठाया जाता है।इस समय करीब 2-5 राज्यों की विधानसभाओं में हर 6 महीने में चुनाव होते हैं, इस वजह से केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बलों को लंबे समय तक इसके लिए समर्पित रहना पड़ता है।

'वन नेशन-वन इलेक्शन' कब होगा लागू?

अशोक भाटिया

पूरे देश में वन नेशन वन इलेक्शन लागू करने संबंधी विचार करने के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने गुरुवार (14 मार्च) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। 18,626 पन्नों की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि पैनल का गठन 2 सितंबर 2023 को किया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स एवं एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है।रिपोर्ट के मुताबिक, 'एक देश, एक चुनाव' पर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क साधा था। इनमें से 47 ने जवाब दिया। 32 पार्टियों ने एकसाथ चुनाव कराने का समर्थन किया, 15 पार्टियों ने इसका विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका जवाब नहीं दिया। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा और सपा ने एक देश, एक चुनाव प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि भाजपा और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने समर्थन किया।हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि 3 मुख्य न्यायाधीशों ने एक देश, एक चुनाव के प्रस्ताव का विरोध किया। वन नेशन वन इलेक्शन पर समिति की रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब इस वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी चल रही है। हाल के कदमों से संकेत मिलता है कि सरकार इनमें से कुछ चुनावों को लोकसभा चुनाव के साथ कराने पर विचार कर सकती है।

उम्मीद जताई जा रही है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने से जनता का पैसा बचेगा, प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर बोझ कम पड़ेगा, सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन हो सकेगा और प्रशासनिक मशीनरी चुनावी कार्यक्रम के बजाय विकास कार्यों में ज्यादा समय दे पाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के प्रबल समर्थक माने जाते हैं। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में कहा था कि एक साथ चुनाव कराने को लेकर देशभर में बहस चल रही है। यह चर्चा लोकतांत्रिक तरीके से की जानी चाहिए। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अपने सपने को साकार करने के लिए हमें ऐसे अनेक नए विचार जोड़ने होंगे।

गौरतलब है कि वर्ष 1951 से 1967 के बीच लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। वर्ष 1951-52 में आम चुनाव और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हुए थे। इसके बाद 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ हुए थे। वर्ष 1959 में सीपीआई नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त कर दिया गया था और राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। वर्ष 1960 में केरल में विशेष राज्य चुनाव हुआ था, जिसके चलते 1962 में राज्य सरकार भंग नहीं हुई थी, जब आम चुनाव हुए थे। वर्ष 1964 में केरल में दोबारा राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। फिर 1965 में चुनाव हुए थे लेकिन राष्ट्रपति शासन जारी रहा और 1967 तक चला, जिसके चलते केरल विधानसभा का चुनाव एक बार फिर आम चुनाव के साथ हुआ। वर्ष 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से पहली बार एक साथ चुनाव होने का चक्र बाधित हुआ था। वहीं, चौथी लोकसभा भी समय से पहले भंग कर दी गई थी, जिसकी वजह से 1971 में नए चुनाव हुए। बता दें कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को सामान्य कार्यकाल से पहले भी भंग किया जा सकता है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद अब तक कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो चुके हैं। अप्रैल-मई 2019 से शुरू होकर अब तक कई राज्यों के चुनाव हुए। वर्तमान में हर साल करीब 5-7 राज्यों के विधानसभा चुनाव होते हैं। बार-बार चुनाव होने की वजह से सार्वजनिक जीवन बाधित होता है।

संविधान का अनुच्छेद 83 संसद के दोनों सदनों के कार्यकाल का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 83(2) लोकसभा के लिए इसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है, जब तक कि इसे पहले भंग न किया जाए। अनुच्छेद 172 (1) राज्य विधानसभा के लिए उसकी पहली बैठक की तारीख से पांच साल के कार्यकाल का प्रावधान करता है।क्या लोकसभा और राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है? इसका जवाब है कि आपातकालीन स्थिति को छोड़कर किसी भी कीमत पर सदन का कार्यकाल बढ़ाया नहीं जा सकता है लेकिन इसे इसके कार्यकाल की समाप्ति से पहले भंग किया जा सकता है।

एक साथ चुनाव पर चुनाव आयोग ने पहली बार 1983 में सुझाव दिया था। उस वर्ष प्रकाशित भारत के चुनाव आयोग की पहली वार्षिक रिपोर्ट में इसका विचार आया था। विधि आयोग की ओर से 1999 में इसका विचार आया था। 1999 में न्यायमूर्ति बीपी जीवन रेड्डी की अध्यक्षता में भारतीय विधि आयोग ने चुनावी कानूनों के सुधार पर अपनी 170वीं रिपोर्ट पेश की थी। इसने चुनाव सुधारों के एक भाग के रूप में एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी। 2015 में कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 79वीं रिपोर्ट में दीर्घकालिक (लंबे समय तक) सुशासन के लिए एक साथ चुनाव कराने का सुझाव दिया था और इसकी व्यवहार्यता की भी जांच की। वर्ष 2017 में नीति आयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर एक रिपोर्ट तैयार की थी। 30 अगस्त, 2018 को जस्टिस बीएस चौहान की अध्यक्षता में भारत के विधि आयोग ने एक साथ चुनाव पर अपनी मसौदा रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में एक साथ चुनाव कराने से संबंधित कानूनी और संवैधानिक सवालों की जांच की गई।

एक साथ चुनाव मतदाताओं के व्यवहार को कैसे प्रभावित कर सकता है, इस पर आईडीएफसी इंस्टीट्यूट के एक विश्लेषण से पता चलता है कि औसतन 77 फीसदी संभावना है कि जब चुनाव एक साथ होंगे तो मतदाता लोकसभा और विधानसभा दोनों के लिए एक ही पार्टी को वोट देंगे। दूसरी ओर बार-बार चुनाव चक्र जवाबदेही का एक उपाय प्रदान करते हैं क्योंकि विभिन्न स्थानीय और राज्य-स्तरीय मुद्दे समय समय पर चुनावों को प्रभावित करते हैं। विधानसभाओं और लोकसभा की शर्तों को पहली बार कैसे सिंक्रनाइज (समकालिक) किया जाएगा? क्या इसके लिए कुछ राज्य विधानसभाओं की मौजूदा शर्तों को बढ़ाना या कम करना संभव होगा? अगर चुनाव एक साथ होते हैं तो उस स्थिति में क्या होगा जब सत्तारूढ़ दल या गठबंधन कार्यकाल के बीच लोकसभा या राज्य विधानसभाओं में बहुमत खो देता है? क्या लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल तय होना चाहिए? क्या चुनाव आयोग के लिए लॉजिस्टिक्स, सिक्योरिटी और मैनपावर संसाधन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इतने बड़े पैमाने पर चुनाव कराना व्यावहारिक रूप से संभव है? ऐसा सुझाव सामने आया कि देश में एक साथ चुनाव लागू करने के लिए राज्य विधानसभाओं की शर्तों को सिंक्रनाइज (समकालिक) किया जाए।संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174 और 356 के प्रावधानों में संशोधन के बिना लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ नहीं कराए जा सकते हैं।

एक साथ चुनाव कराने के लिए संघ और राज्य विधानसभाओं के लिए निश्चित कार्यकाल होना जरूरी है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव अलग-अलग कराने का अनुमानित खर्च 10,000 करोड़ रुपये बैठता है। 2018 के आसपास का अनुमान कहता है कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव कराने की अनुमानित लागत 4500 करोड़ रुपये है। लोकसभा चुनाव के वास्तविक आयोजन पर होने वाला पूरा खर्च भारत सरकार की ओर से वहन किया जाता है। राज्य विधानमंडलों के चुनावों का संचालन संबंधित राज्य सरकारों की ओर से किया जाता है।

अगर लोकसभा और राज्य विधानसभा के लिए एक साथ चुनाव होता है तो खर्च भारत सरकार और संबंधित राज्य सरकारों के बीच साझा किया जाता है। वहीं, भले ही चुनाव लोकसभा का हो, कानून और व्यवस्था बनाए रखने का खर्च संबंधित राज्य सरकारों की ओर से उठाया जाता है।इस समय करीब 2-5 राज्यों की विधानसभाओं में हर 6 महीने में चुनाव होते हैं, इस वजह से केंद्रीय सुरक्षा बलों और राज्य पुलिस बलों को लंबे समय तक इसके लिए समर्पित रहना पड़ता है। ऐसी स्थिति साफ तौर पर अकारण समझी जाती है क्योंकि सशस्त्र पुलिस बल को अन्य आंतरिक सुरक्षा उद्देश्यों के लिए बेहतर ढंग से तैनात किया जा सकता है। उन बुनियादी जिम्मेदारियों के लिए उन्हें काम में लाया जा सकता है जिनके लिए इन बलों को विकसित किया गया।

नजरिया

मायावती के अकेले चुनाव लड़ने से कौन होगा प्रभावित?

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने फिर एक बार आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर घोषणा की है कि बहुजन समाज पार्टी अकेले लोकसभा चुनाव लड़ेगी। मायावती इसके पहले भी कई बार लोकसभा चुनाव के लिए किसी भी तरह के गठबंधन में शामिल होने से इंकार करती रही हैं। उन्होंने चुनाव के लिए अभी तक प्रत्याशियों की घोषणा भी नहीं की है जिसके कारण उनके इंडि गठबंधन में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे हैं। वर्ष 2024 के आम चुनाव में राजनीतिक लिहाज से उत्तर प्रदेश जैसे अहम राज्य में हर राजनीतिक दल अधिक से अधिक सीटें हासिल करना चाहता है। इसलिए एनडीए और इंडि गठबंधन में छोटे-बड़े दल शामिल होकर अपना राजनीतिक कद और हैसियत बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे में मायावती का किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना कई प्रश्न खड़े करता है। प्रश्न यह है कि क्या अकेले चुनाव लड़कर मायावती एनडीए और इंडि गठबंधन को चुनौती दे पाएंगी? क्या मायावती को भरोसा है कि उनका कोर वोट बैंक पूरी तरह उनका साथ देगा? क्या मायावती को लगता है कि त्रिकोणीय मुकाबले में बसपा हावी रहेगी? क्या मायावती को इस बात का भरोसा है कि इंडि गठबंधन की बजाय मुस्लिम मतदाता उनके साथ मजबूती से खड़े होंगे? क्या मायावती चुनाव नतीजों के हिसाब से रणनीति का खुलासा करेंगी? क्या मायावती एकला चालो की राह पर हैं या फिर वो जिस तरह से खामोश हैं उसके पीछे अन्य कोई बड़ा प्लान है?

बसपा प्रमुख ने पिछले छह-सात महीने में अकेले चुनाव लड़ने की बात कई बार कही है, साथ ही यह भी कहा कि गठबंधन करने से उनको नुकसान होता है। इसमें कोई गलत बात नहीं है कि कोई पार्टी गठबंधन नहीं करे और चुनाव अकेले लड़े लेकिन पार्टी लड़ते हुए तो दिखाई दे! मायावती की बहुजन समाज पार्टी बीजेपी और समाजवादी पार्टी दोनों के साथ गठजोड़ कर चुकी है लेकिन बीते ढाई दशकों से बसपा का भाजपा के बीजेपी के प्रति ज्यादा रुझान देखा गया है। मायावती तीन बार भाजपा के सहयोग से यूपी की मुख्यमंत्री भी बन चुकी हैं। बसपा ने पिछला लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिल कर लड़ा था लेकिन सपा की सहायता से शून्य से 10 सीट पर पहुंचने के बाद ही उन्होंने तालमेल समाप्त कर दिया था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि बसपा का वोट बैंक भी खिसक रहा है। बसपा सुप्रीमो भले ही कहें कि गठबंधन से उनकी पार्टी को नुकसान होता है लेकिन सच्चाई तो यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव में गठबंधन का सबसे ज्यादा लाभ बसपा को ही हुआ था। वर्ष 1996 में बसपा ने 6 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल की थी, तब बसपा को 20.6 प्रतिशत मत मिले थे। वर्ष 1998 में बसपा को चार सीटें मिलीं और वोट प्रतिशत बढ़कर 20.9 प्रतिशत हो गया। वर्ष 1999 में बसपा को 14 सीटें मिलीं और मत 22.08 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2004 में सीटें बढ़कर 19 हो गईं और 24.67 प्रतिशत मत मिले। बसपा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वर्ष 2009 में किया जब पार्टी को 20 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल हुई और 27.42 प्रतिशत मत मिले। बसपा की स्थिति साल 2014 से बदलती चली गई। बीस सांसदों वाली बसपा को इस चुनाव में एक भी सीट हासिल नहीं हो पाई और उसका मत प्रतिशत भी गिरकर 19.77 प्रतिशत पर आ गया। बसपा के वोट में लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आई। 1996 के बाद बसपा का ये सबसे बुरा प्रदर्शन था। वर्ष 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठबंधन किया। जिसका बसपा को भरपूर लाभ हुआ और शून्य सीटों वाली

बसपा ने दस सीटों पर विजय प्राप्त की। जबकि उसका मत और कम हुआ। इस चुनाव में बसपा को सपा के साथ गठबंधन कर 19.43 प्रतिशत ही मत मिले। विधानसभा में बसपा का केवल एक विधायक है। एक वो समय था जब बसपा चुनाव से काफी समय पहले ही उम्मीदवार घोषित कर देती थी। सबसे पहले संभवतः बसपा ने ही चुनाव से महीनों पहले उम्मीदवार घोषित करने शुरू किए थे लेकिन अब चुनाव बिल्कुल सिर पर आ चुके हैं और बसपा उम्मीदवारों की घोषणा की बजाय अकेले चुनाव लड़ेंगे का पुराना रिकॉर्ड बजाए जा रही है। जबकि भाजपा, सपा, रालोद और सुभासपा कई सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुके हैं। बड़ी मशक्कत के बाद बीते 10 मार्च को बसपा ने यूपी की मुरादाबाद सीट से मो. इरफान सैफी को अपना पहला प्रत्याशी घोषित किया है। पिछले एक दशक में मायावती के कई भरोसेमंद सिपहसालार दूसरी पार्टियों में शामिल होते चले गए। बीते चुनाव में जीते 10 सांसद भी नई सियासी संभावनाएं तलाश रहे हैं। इसमें अंबेडकर नगर से सांसद रितेश पांडे बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। उन्हें बीजेपी ने टिकट भी दे दिया है। वहीं गाजीपुर सांसद अफजाल अंसारी को सपा उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। वहीं, अमरोहा से दानिश अली अब कांग्रेस के खेमे में हैं। जौनपुर से सांसद श्याम सिंह यादव भी कांग्रेस की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। बिजनौर से सांसद मलूक नागर और लालगंज लोकसभा सीट से सांसद संगीता आजाद के भी पाला बदलने के कयास लगाए जा रहे हैं।

यूपी समेत देश के अन्य राज्यों में बीएसपी का सियासी ग्राफ चुनाव दर चुनाव गिरता ही जा रहा है। पिछले वर्ष विधानसभा चुनावों में आकाश आनंद छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में पार्टी का चुनावी अभियान संभाल रहे थे, जहां पार्टी ने पिछले चुनाव की तुलना में काफी खराब प्रदर्शन किया है। राजस्थान छोड़कर किसी भी राज्य में बसपा का खाता तक नहीं खुला और वोट फीसदी में भी गिरावट आई। बसपा अब उत्तर प्रदेश और बाहर के राज्यों में हर जगह कमजोर दिखाई दे रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली समेत उत्तर भारत के राज्यों में पार्टी संगठन लचर हाल में है। पार्टी अपने कोर दलित वोटरों को भी एकजुट करने में सफल नहीं हो पाई है। सत्ता से बाहर होने के बाद मायावती से दलितों का मोहभंग लगातार होता जा रहा है। वास्तव में, कांशीराम ने बसपा का जो सियासी समीकरण बनाया था, वो गड़बड़ा चुका था और दलितों के बीच चंद्रशेखर आजाद नई लीडरशिप के रूप में खुद को खड़ा कर रहे हैं। इस तरह से बीएसपी सियासी चक्रव्यूह में घिरी हुई है, जहां एक तरफ बीजेपी गैर-जाटव वोटों को अपने पाले में ले चुकी है तो जाटव वोट को चंद्रशेखर अपने साथ जोड़ने में लगे हैं। दलित राजनीति का चेहरा माने जाने वाली मायावती की चमक अब पहले जैसी नहीं रही है।

(साभार : प्रभासाक्षी)

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मॉरीशस में कोई मुखौटा कंपनी नहीं, वित्तीय सेवा क्षेत्र में पारदर्शिता पर जोर : मंत्री सूमिल्दुथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मॉरीशस के मंत्री सूमिल्दुथ भोला ने अपने देश में किसी भी मुखौटा कंपनी की मौजूदगी से इनकार करते हुए कहा है कि मॉरीशस वित्तीय सेवा क्षेत्र में पारदर्शिता को सुनिश्चित कर रहा है। भोला ने राष्ट्रीय राजधानी में पीटीआई-भाषा को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मॉरीशस भारत से निवेश की उम्मीद कर रहा है। उन्होंने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बताया। मॉरीशस के वित्तीय सेवा और सुशासन मंत्री भोला ने कहा कि मॉरीशस ने हमेशा सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया है। भारत के साथ मॉरीशस के लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं और वह मुख्य रूप से वित्त-प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सहयोग की तलाश कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत आना खुशी की बात है। मैं कहूंगा कि मॉरीशस के लिए भारत महत्वपूर्ण है, वहीं भारत के लिए भी मॉरीशस खासकर वित्तीय सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। मॉरीशस से भारत आने वाली पूंजी को लेकर कुछ हलकों में जताई जा रही चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह केवल एक धारणा है। उन्होंने कहा, यह केवल एक धारणा है... मैं पुष्टि कर सकता हूं कि मॉरीशस में कोई मुखौटा कंपनी नहीं है। हम ओईसीडी (मानदंडों) के अनुरूप संचालन करते हैं... हम पारदर्शिता को बढ़ावा दे रहे हैं। मॉरीशस भारतीय शेयर बाजार में आने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और यहां से मुखौटा कंपनियों के जरिए अवैध तरीकों से धन भेजने को लेकर चिंताएं जताई जाती रही हैं। मंत्री ने कहा कि उनके देश ने अपने वित्तीय क्षेत्र को ओईसीडी मानदंडों और एफएटीएफ सिफारिशों सहित अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के साथ जोड़ दिया है। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण को रोकने के लिए वैश्विक कार्रवाई का नेतृत्व करता है। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) अंतरराष्ट्रीय कराधान मामलों पर एक प्रमुख वैश्विक निकाय है। भोला ने कहा कि मॉरीशस को भारत से निवेश की तलाश है। मॉरीशस विशेष रूप से भारत और अफ्रीका के बीच एक मंच के रूप में काम करता है और भारतीय निवेशकों को यह जानना चाहिए कि हमने कारोबारी सुगमता में काफी प्रगति की है।

भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2022 तक मॉरीशस से भारत में कुल 161 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया जो भारत में कुल एफडीआई का 26 प्रतिशत थी। भोला ने कहा, हम प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। हम एक सहयोगी की तरह हैं।

प्रदर्शन

ओडिशा पंचायत स्तरीय महासंघ जीपीएलएफ ईसी के सदस्य शुक्रवार को भुवनेश्वर में अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए।

आईएमएफ ने सभी लक्ष्य हासिल करने संबंधी पाकिस्तान वित्त मंत्रालय की घोषणा की आलोचना की

इस्लामाबाद। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के इस दावे पर नाराजगी व्यक्त की है कि उसने वैश्विक ऋणदाता द्वारा जांच और समीक्षा पूरी करने से पहले ही सभी संरचनात्मक मानक और मात्रात्मक व सांकेतिक लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। आईएमएफ की एक टीम तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज की बेहद जरूरी 1.1 अरब डॉलर की अंतिम किस्त जारी करने से पहले बातचीत करने के लिए इस्लामाबाद पहुंच गई है।

इस राहत पैकेज पर पिछले साल सहमति बनी थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईएमएफ के मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर और उनके साथियों ने इस बात पर नाखुशी जाहिर की है कि वित्त मंत्रालय ने अभी शुरू किए तीन अरब डॉलर के 'स्टैंडबाय अरेंजमेंट' (एसबीए) कार्यक्रम के तहत समीक्षा प्रक्रिया पूरी होने से पहले उसके फैसले की घोषणा की थी। आईएमएफ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के आधिकारिक आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद ही अपने समाधान पेश करेगा। इससे पहले, वित्त मंत्रालय ने अपने आधिकारिक हैंडआउट में घोषणा की कि उन्होंने आईएमएफ से कोई प्रतिक्रिया प्राप्त करने से पहले सभी संरचनात्मक मानक और अन्य लक्ष्यों को पूरा कर लिया है।

यूक्रेन के कब्जे वाले इलाकों में लोगों पर अपने पासपोर्ट स्वीकार करने का दबाव बना रहा है रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव। रूसी सैनिक यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों में निवासियों पर उनका पासपोर्ट स्वीकार करने का दबाव बनाने के लिए 'साम-दाम-दंड-भेद' का प्रयोग कर रहे हैं। रूसी सैनिक इन निवासियों से रूस का पासपोर्ट स्वीकार करने के लिए न केवल उनके साथ मारपीट कर रहे हैं बल्कि उन्हें तरह-तरह के प्रलोभन भी दे रहे हैं। 'एसोसिएटेड प्रेस' की पड़ताल में पता चला है कि रूस ने पासपोर्ट के बिना जीना असंभव बनाकर, यूक्रेन के अपने कब्जे वाले इलाके में लगभग सभी लोगों पर अपना पासपोर्ट थोप दिया है। वह राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर हजारों लोगों को रूसी नागरिकता अपनाने के लिए उन पर बलप्रयोग कर रहा है। रूसी पासपोर्ट स्वीकार करने का मतलब है कि इस कब्जे वाले क्षेत्र में रह रहे पुरुषों को उसी यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार किया जा सकता है जो उन्हें मुक्त कराने के लिए जंग लड़ रही है।

संपत्ति के स्वामित्व को साबित करने तथा स्वास्थ्य देखभाल और सेवानिवृत्ति आय तक पहुंच बनाने के लिए रूसी पासपोर्ट की आवश्यकता होती है। पासपोर्ट लेने से इनकार करने पर बच्चों की कस्टडी गंवानी पड़ सकती है, जेल हो सकती है या इससे भी खराब कुछ हो सकता है। रूस के एक नए कानून में कहा गया है कि कब्जे वाले क्षेत्र में अगर किसी व्यक्ति के पास एक जुलाई तक रूसी पासपोर्ट नहीं होगा तो उसे विदेशी नागरिक मानकर जेल भेजा जाएगा। रूस इन लोगों को प्रलोभन भी दे रहा है जिसमें कब्जे वाले क्षेत्र को छोड़कर रूस आने के लिए पैसा, मानवीय सहायता, सेवानिवृत्त लोगों के लिए पेंशन और नवजात शिशुओं के माता-पिता को पैसा तथा उनके बच्चों को रूस का जन्म प्रमाणपत्र देना शामिल है।

यूक्रेन के खेरसॉन क्षेत्र में व्याचेस्लाव रयाबकोव को रूसी सैनिकों द्वारा तीसरी बार पीटे जाने के बाद रूसी पासपोर्ट स्वीकार करने के लिए विवश होना पड़ा। रूस द्वारा जारी प्रत्येक पासपोर्ट और जन्म प्रमाणपत्र से यूक्रेन के लिए अपनी खोई हुई जमीन पर पुन: कब्जा जमाना मुश्किल हो गया है। यूक्रेन के मानवाधिकार लोकपाल दिमित्रो लुबिनेटस ने कहा, यूक्रेन के कब्जे वाले अस्थायी क्षेत्रों में रहने वाली लगभग 100 फीसदी आबादी के पास अब रूसी पासपोर्ट है।

श्रीमद रामायाण में शूर्पनखा का किरदार निभाना बेहद चुनौतीपूर्ण : संगीता ओडवानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संगीता ओडवानी कहना है कि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'श्रीमद रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाना उनके लिये बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की दिव्य गाथा, 'श्रीमद रामायण', भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण के वनवास के दौरान की यात्रा का अनुसरण करती है।शो के एक महत्वपूर्ण अध्याय की ओर बढ़ते हुए, दर्शक अब लंकापति रावण की बहन, शूर्पणखा को देखेंगे, जो भगवान राम और लंकापति रावण के बीच महायुद्ध की जड़ बनेगी। इस किरदार को संगीता

ओडवानी ने निभाया है।

संगीता ओडवानी ने कहा,शूर्पणखा का किरदार निभाने के लिए एक गहरे नजरिए की जरूरत होती है जो उसकी सोच में गहराई से उतरता है। यह उसकी दुर्जेय उपस्थिति को गले लगाने के साथ-साथ उसके भयंकर बाहरी स्वरूप के नीचे छिपे दर्द और लालसा को भी उजागर करने के बारे में है।

एक कलाकार के रूप में, यह खोज का एक सफर है, जो इस मुश्किल किरदार की परतों को हटाकर उसके भीतर की इन्सानियत को प्रकट करती है, जिससे दर्शकों को उसे सिर्फ एक खलनायक के रूप में नहीं, बल्कि अपने स्वयं के संघर्षों के साथ एक बहुमुखी व्यक्ति के रूप में देखने का मौका मिलता है। श्रीमद रामायण, हर सोमवार से शुक्रवार रात 09 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

'मर्डर मुबारक' में ग्लैमरस अवतार में नजर आएंगी सारा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में ग्लैमरस अवतार में नजर आयेंगी। फिल्म मर्डर मुबारक में सारा अली खान, डिंपल कपाड़िया, करिश्मा कपूर, संजय कपूर, टिस्का चोपड़ा, सुहेल नायर और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारे काम करते नजर आएंगे।फिल्म 'मर्डर मुबारक' में सारा अली खान शहरी, ग्लैमरस गर्ल के किरदार में नजर आने वाली हैं। मर्डर मुबारक में सारा अली खान का किरदार उनके द्वारा किए गए सभी किरदारों से बेहद अलग है, जिसमें उन्होंने एक ग्लैमरस परसोना वाली लड़की की भूमिका निभाई है। सारा अली खान ने कहा,मुझे एक शहरी और ग्लैमरस गर्ल का किरदार निभाए लंबा समय हो गया है। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसके साथ मैं खुद जुड़ती हूं। मैं उस तरह की लड़की हूं जो अपने बालों का झल्ला छोड़कर सलवार कमीज पहनकर बाहर जाना पसंद करती हैं।

प्रदर्सनी

हैदराबाद में अभिनेत्री दिवी, उर्मिला चौहान, श्रावंती और फैशन प्रेमी शुक्रवार को हिलिफ़ प्रदर्शनी के भव्य लॉन्च पर।

दीक्षांत

रांची विश्वविद्यालय के 37वें दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को मेधावी टॉपर छात्र स्वर्ण पदक दिखाते हुए।

फिल्म 'फतेह' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की आने वाली फिल्म 'फतेह' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सोनू सूद ने अपनी आने वाली फिल्म 'फतेह' का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फिल्म फतेह में सोनू सूद के साथ जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म फतेह सोनू सूद के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। फिल्म फतेह के पोस्टर में सोनू सूद के हाथ में एक स्याही वाला पेन है जिस पर खून लगा हुआ है। पोस्टर शेयर करते हुए सोनू सूद ने लिखा, कभी किसी को कम मत समझो, फतेह के

साथ पावर पैक्ड एक्शन के लिए तैयार हो जाइए, टीजर कल रिलीज होगा।' शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित फिल्म फतेह साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

असफलता के चलते बदल गया था लोगों का व्यवहार, मिली बड़ी सीख : सारा अली खान

मुंबई/एजेन्सी

सारा अली खान इंडस्ट्री में लाइमलाइट में बनी रहती हैं। सारा अली खान ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से डेब्यू किया था। उसके बाद एक्ट्रेस की कई फिल्में फ्लॉप रही थी। एक्ट्रेस ने अपने फेलिअर वाले दिनों के एक्सपीरिएंस को शेयर किया है जब लोग उनके साथ गलत बिहेव करने लगे थे। सारा अली खान की फिल्म मर्डर मुबारक 15 मार्च को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो गई है। बीते दिनों एक्ट्रेस इस फिल्म के प्रमोशन में लगी थीं। फिल्म के प्रमोशन के द्वारा सारा ने पत्रकारों से कई बार बातचीत की। सारा अली खान ने एक इंटरव्यू में करियर में असफलता को याद करते हुए उन दिनों के अनुभव को साझा किया। सारा ने बताया कि उनकी फिल्में जब फ्लॉप होने लगी थीं उस समय सबका बर्ताव उनके प्रति नेगेटिव हो गया था। जो लोग उन्हें इन्वाइट करते थे पार्टी में वो अब ओके हैं अगर सारा उनके इवेंट्स अटेंड नहीं करती थीं। सबके बिहेवियर बदल गए थे जिससे वह हर्ट हो गई थीं, लेकिन इससे उन्होंने सीख ली है। वह बोलीं, मुझे याद है साल 2018 में मुझे लगा कि मैं दुनिया में सबसे टॉप पर हूं। मुझे जो प्यार मिला वैसा प्यार कभी नहीं मिला। इसके बाद अचानक मुझे नीचे गिरा दिया। एक रात में जो लोग मुझे बोलते थे कि सारा तुम्हें आना ही होगा वो बोलने लगे कि हां आएगी तो चलेगा। सारा अली खान की 15 मार्च यानी शुक्रवार को फिल्म मर्डर मुबारक रिलीज हो गई है। फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है।

अभिनेता अजीत फिल्म 'गुड बैड अगली' में नजर आएंगे

मुंबई/एजेन्सी

तमिल फिल्मों के जाने-माने अभिनेता अजीत जल्द ही फीचर फिल्म 'गुड बैड अगली' में नजर आएंगे। तमिल के 52 वर्षीय अभिनेता अजीत के प्रबंधक सुरेश चंद्रा ने फिल्म के आधिकारिक पोस्टर के साथ सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की है। चंद्रा ने एक पोस्ट में कहा, 'हम पूरी विनम्रता के साथ अभिनेता अजीत की अगली फिल्म 'गुड बैड अगली' का एलान करते हैं।' एक अभिनेता के रूप में यह अजित की 63वीं फिल्म है। इसका निर्देशन 'मार्क एंटनी' फेम के अधिक

रविचंद्रन कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2025 में पोंगल के त्यौहार के आसपास रिलीज होगी। माइथ्री मूवी मेकर्स इस फिल्म के निर्माता हैं और इसके लिए संगीत देवी श्री प्रसाद तैयार करेंगे। अजीत की साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'थुनिवु' का निर्देशन एच विनोथ ने किया था।

अमिताभ बच्चन ने 'कल्कि 2898 ई.डी.' के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपनी आने वाली फिल्म 'कल्कि 2898 ई.डी.' के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सोशल मीडया पर साझा की है। नाग अश्विन निर्देशित विज्ञान कथा महाकाव्य 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पटानी ने अपनी घोषणा के बाद से ही दर्शकों को उत्सुक बनाए रखा है। 'कल्कि 2898 ई.डी.' के बारे में एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए, अमिताभ बच्चन ने बताया कि 'कल्कि 2898 ई.डी.' पूरी होने वाली है। उन्होंने बताया कि वह इस प्रोजेक्ट पर देर रात तक काम कर रहे हैं, क्योंकि सब कुछ खत्म होने वाला है।

अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर लिखा, फिर से देर हो गई.. लेकिन कल रात काम से देर हो गई.. क्योंकि कल्कि की समाप्ति करीब आ रही है.. और जैसा कि बताया गया है कि यह 9 मई को रिलीज़ होगी.. इसलिए सभी को फिट रखने और सभी को एक ऐसा अनुभव देने के लिए अंतिम प्रयास जो निर्माताओं के विज़न का वादा करता है.. मुझे अब दूसरे कार्यस्थल पर जाना होगा.. जिम.. शरीर को गतिशील बनाने के लिए.. इसे दैनिक दिनचर्या और भविष्य में आने वाली दिनचर्या के अनुसार काम करने के लिए तैयार करना.. भविष्य हमेशा अज्ञात है.. लेकिन इसे कल्पना करने में कोई बुराई नहीं है.. और यह विश्वास करने में कि अगर सोचा जाए तो इसे खोजा जा सकता है.. आह! मस्तिष्क के सर्वश्रेष्ठ आकार में एक नया वाक्यांश अर्जित करना। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्देशित, 'कल्कि 2898 एडी' एक पैन इंडिया फिल्म है।

यह फिल्म 09 मई, 2024 को पूरे भारत में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

कर्नाटक में हिंदी भाषा की सेवा के लिए जीवनपर्यन्त समर्पित रहीं 97 वर्षीय सुश्री बी एस शांता बाई अब नहीं रहीं। अपने लंबे जीवन काल में उन्होंने कर्नाटक की महिलाओं में हिंदी भाषा के प्रति अनुराग का दीप जलाया और उसकी रोशनी घर-घर में पहुंचाई।

महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के लिए स्मृतिचिन्ह व दानदाता पत्र वितरण कार्य प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान महावीर स्वामी के आगामी 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव को सफल बनाने के लिए पूरी श्रृद्धा व निष्ठा से कार्य में जुटा हुआ है। संगठन के सदस्यों ने महोत्सव हेतु दुकान-दुकान जाकर सहयोग राशि जुटाने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। स्मृति चिन्ह चेयरमैन प्रीतेश मुणोत ने बताया कि सहयोग करने वाले दानदाताओं के लिए इस वर्ष स्मृति चिन्ह के तौर पर विशेष रूप से टेबल टॉप चिन्ह बनाया गया जिसमें 'हम जैन है' लिखा हुआ है जो जैन एकता की की ओर एक कदम है। दानदाता पत्र वितरण समिति चेयरमैन अनिल बंट ने बताया कि दानदाता पत्र वितरण कार्य गतिमान है। बेंगलूरु के सभी क्षेत्र में स्मृतिचिन्ह के वितरण का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के मंत्री मदन मुणोत ने बताया कि महोत्सव व्यवस्था के लिए गठित विभिन्न 17 समितियां अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाने में लगी हुई हैं।

योग्य व्यक्ति ही प्रवचन सुनने व सुनाने का अधिकारी : आचार्य महेन्द्रसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ में आयोजित प्रवचन में आचार्य श्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि समाज में चार प्रकार का वर्ग है। पहले अधिकतया यहाँ ऐसे लोग है जो साधु-संत की उपदेश सुनते ही नहीं। दूसरा रुढिवादी वर्ग जो सुनाता जरुर है, लेकिन एक कदम भी आगे नहीं बढ़ता है। तीसरा वर्तमान का पंडित वर्ग है जो सुनता तो है, लेकिन दूसरों को उपदेश देने के लिए अथवा दुनिया में अपनी पंडिताई दिखाने के लिए सुनता है। धर्माचरण के लिए ये तीनों वर्ग अयोग्य है। हमें तो ऐसा चौथा वर्ग चाहिए, जिसकी वास्तविक दृष्टि खुल गई है। संतों को भी तभी आनंद आता है जब यह चौथा वर्ग सुनने के लिए सामने बैठा हो। योग्य सुनने वाले मिले तो सुनाने वाले और सुनने वालों का दोनों ही को लाभ होता है। धर्म शास्त्रों में अयोग्य को बोलने का और अयोग्य को सुनने का निषेध है।

गत वर्ष सुश्री बीएस शांताबाई को दक्षिण भारत शब्द हिंदीसेवी सम्मान से नवाजा गया था, तब का चित्र

कर्नाटक में हिंदी भाषा की सजग प्रहरी बीएस शान्ता बाई नहीं रहीं

दक्षिण भारत शब्द हिंदीसेवी सम्मान से नवाजा था शब्द संस्था ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में हिंदी भाषा की सेवा के लिए जीवनपर्यन्त समर्पित रहीं 97 वर्षीय सुश्री बी एस शांता बाई अब नहीं रहीं। अपने लंबे जीवन काल में उन्होंने कर्नाटक की महिलाओं में हिंदी भाषा के प्रति अनुराग का दीप जलाया और उसकी रोशनी घर-घर में पहुंचाई। ऐसा समर्पित अहिंदीभाषी हिंदी सेवी शायद ही अब कोई और हो। उन्हें पिछले वर्ष 10 दिसंबर को आयोजित 'शब्द' साहित्यिक संस्था के वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह में संस्था ने दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सौजन्य से दिए जाने वाले 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' से सम्मानित किया था। यद्यपि वे वय के कारण चल - फिर पाने में असमर्थ थीं, तथापि संस्था के अनुरोध को मान देते हुए ह्वील चेयर पर कार्यक्रम में पधारीं और 'शब्द' का पुरस्कार ग्रहण कर एक तरह से आयोजकों को सम्मानित होने का अवसर दिया । हिंदी के प्रति उनका अनुराग आजीवन ऐसा रहा कि 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' सहर्ष ग्रहण करने के बाद सम्मान राशि के 21000/- रुपए उन्होंने हिंदी भाषा और

साहित्य के संवर्द्धन के लिए कहीं अन्य उपयुक्त पात्र पर खर्च करने के लिए 'शब्द' को लौटा दिए। ऐसी कर्मठ, निष्ठावान अद्वितीय हिंदीसेवी को दक्षिण भारत राष्ट्रमत परिवार की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि।

शब्द साहित्यिक संस्था बेंगलूरु के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर, कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट एवं महासचिव डा. उषारानी राव ने भी संस्था की ओर से शांताबाई को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार एवं शिक्षण के लिए समर्पित किया। योग: कर्मसु कौशलम् के दर्शन को अपने जीवन का दर्शन बनाने वाली शांताबाई ने 'कायक वे कैलासा' बसवेश्वर जी के कथन को आत्मसात किया। सुश्री शांताबाई का हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार का यह अभियान दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। उनसे जब यह पूछा जाता कि उन्होंने इतना बड़ा संघर्ष कैसे किया, तो वे हंसती हुई अत्यंत सौम्यता और सहजता के साथ कहती थीं कि एक संकल्प की तरह भाषा का प्रचार प्रसार उन्होंने निभाया। मार्ग में आने वाली बाधाओं और कठिनाइयों का बिना रुके, बिना थके सामना किया। दक्षिण भारत के कर्नाटक में हिंदी भाषा के प्रचार अभियान में अग्रणी रहीं बीएस शांताबाई ने अपने परंपरागत पारिवारिक दायरे में सीमित न रहकर सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट हिंदी प्रचारिका एवं शिक्षिका के रूप में छवि का निर्माण किया। ऐसे जीवट व्यक्तित्व को कोटिश: नमन।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के राजस्थानी 36 कोम गोभक्त मंडल द्वारा हेसरघट्टा स्थित श्री रंगनाथ गोडिया मठ चैरिटी ट्रस्ट परिसर में 'एक शाम गौ माता के नाम' नामक भजन संध्या का आयोजन किया गया। संत पुखराज दांडी महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, सुरेश सेंणचा, धर्मेंद्र सीरवी उपस्थित थे । राजस्थान के भजन कलाकार ओम मुंडेल, राधेश्याम माली, स्थानीय कलाकार सुरेश पारीक ने भजनों की प्रस्तुति दी। अतिथियों का सम्मान किया गया।

पशु पक्षियों के इलाज के लिए 'मिशन जीरो' को सौंपी एम्बुलेन्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। सड़क व अन्य दुर्घटना में घायल पशु पक्षी के बचाव के लिए कार्यरत 'मिशन जीरो संस्था' को मेहुल तेलिसरा, जुनैद शमशी, किशन कटारिया और अमित सोलंकी परिवार के सौजन्य से कुत्ता, बिल्लियों, गायों, घोड़ों और अन्य घरेलू जानवरों के बचाव और उपचार के लिए एम्बुलेंस दान दी गई जिसका अनावरण क्षेत्र के विधायक महेश टेंगेनकई, प्रशांत शेट्टी, मेहुल तेलिसारा, जुनैद शमशी, विनोदकुमार पटवा और उमा मुकुंद ने किया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में ुपस्थित अजयकुमार जैन ने मिशन जीरो संस्था के कार्यों की सराहना की। उनके प्रयासों और अभिनव दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। मिशन ज़ीरो के अध्यक्ष रोहन गोमेज़ ने सभी का स्वागत किया। आयुष जैन ने अतिथियों का परिचय करवाया। इस मौके पर अतिथियों व दानदाताओं का संस्था की ओर से सम्मान किया गया। इस मौके पर समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

भारत भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है: मुर्मू

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है और बौद्ध धर्म की आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है। राष्ट्रपति ने कहा कि भूटान एक विश्वसनीय मित्र और भागीदार के रूप में भारत पर भरोसा कर सकता है। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की। मुर्मू ने टोबगे का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और भूटान के बीच घनिष्ठ और अद्वितीय संबंध हैं, जो सभी स्तरों पर आपसी विश्वास, सद्भावना और समझ पर आधारित हैं। उन्होंने इस बात की सराहना की कि टोबगे ने भूटान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना।

मुर्मू ने कहा कि बौद्ध धर्म की साझा आध्यात्मिक विरासत दोनों देशों को जोड़ती है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत, भूटान के साथ अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है, जो ऊर्जा सहयोग, विकास साझेदारी, लोगों के बीच आपसी संबंध और व्यापार एवं निवेश संबंधों जैसे क्षेत्रों में फैली है। मुर्मू ने कहा कि हिमालयी देश के लोगों की सामाजिक-आर्थिक भलाई एवं समृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में और सहयोग क्षेत्र के विकास में भूटान के साथ साझेदारी करना भारत के लिए सौभाग्य की बात है।

महिला संगठन 'मातृछाया' जरुरतमंदों के लिए लगाएगी कैंसर जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की मासिक बैठक वीवी पुरम स्थित वंदना कोचर के निवास पर अध्यक्षा ललिता नागोरी एवं सचिव रेशमा बडोला के नेतृत्व में आयोजित हुई। निर्मला दांतेवाडिया ने सभी का स्वागत किया। पुष्पा बाफना व त्रिशला दांतेवाडिया ने नवकार महामंत्र से बैठक की शुरूआत करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। बैठक में संस्था की रतनीबाई मेहता के मार्गदर्शन में शीघ्र ही स्लम क्षेत्र में महिलाओं के लिए कैंसर डिटेक्शन जाँच शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इस बैठक में बबीता श्रीश्रीमाल,मीना सोलंकी, लीला भंसाली, पुष्पा सोनीगरा, जीनामेहता, मीना सोनीगरा, दीपमाला जैन, मनीषा सालेचा, वीणा सालेचा, सोनाली ललवानी सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं जिन्होंने स्वास्थ्य शिविर में सहयोग का आश्वासन दिया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

सदानंद गौड़ा ने संजयनगर में एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) ए.यू. स्मॉल फाइनेंस बैंक का संजयनगर शाखा का शुभारंभ फीता काटकर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व केन्द्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा ने किया। कर्नाटक में बैंक की 12वीं ब्रॉन्च है। एयू एसएफबी की टारगेटेड (लक्षित) पेशकश और पूरे दक्षिण भारत में सुलभ और टेक्नोलजी आधारित वित्तीय सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कर्नाटक में अकेला बेंगलूरु राज्य की कुल डिपॉजिट (जमा) राशि में लगभग 9 लाख करोड़ रुपये का योगदान देता है और इसलिए यह एयू एसएफबी की दक्षिण भारत में विस्तार योजना में एक प्रमुख शहर है। इस मौके पर बैंक के कार्यकारी निदेशक उत्तम टिबरेवाल ने कहा कि बैंक बेंगलूरु में ग्राहकों की उत्तम सेवा करने का प्रयास के साथ लम्बे संबंध को बढ़ावा दे रहा है। हमारा लक्ष्य है कि ग्राहक हमारी प्रमुख सुविधाओं जैसे बचत खातों पर मासिक ब्याज का भुगतान, बैंक के काम-काज के लिए बढ़े हुए घंटे, 24/7 वीडियो बैंकिंग, वाहन लोन, बिजनेस बैंकिंग, एफडी/ग्रीन एफडी, क्रेडिट कार्ड,रियल एस्टेट डेवलपर्स को निर्माण के लिए फंडिंग और सावधानीपूर्वक तैयार किए गए वेल्थ मैनेजमेंट प्रोडक्ट का लाभ उठाए।

देश की पहली 'अंडरवॉटर' मेट्रो ट्रेन की वाणिज्यिक सेवाएं शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता। देश की पहली 'अंडरवॉटर' मेट्रो ट्रेन की वाणिज्यिक सेवाएं शुक्रवार को कोलकाता में शुरू हुईं। पहले दिन सैकड़ों यात्रियों ने 'अंडरवॉटर' मेट्रो ट्रेन में यात्रा का आनंद उठाया और खुशी का इजहार किया। एक ट्रेन सुबह सात बजे कोलकाता के ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर पर हावड़ा मैदान स्टेशन से चली जबकि दूसरी ट्रेन उसी समय एस्प्लेनेड स्टेशन से शुरू हुई। इस दौरान यात्रियों ने तालियां बजायी। पहले दिन की पहली अंडरवाटर मेट्रो का हिस्सा बनने के लिए सैकड़ों यात्री सुबह-सुबह स्टेशनों पर उमड़ पड़े। दोनों स्टेशन पर सुबह टिकट लेने के लिए यात्री लंबी कतारों में खड़े दिखे जबकि अधिकारियों ने गुलाब के फूल देकर यात्रियों का स्वागत किया। यात्रियों में उत्साह था। हावड़ा मैदान स्टेशन पर कुछ यात्रियों ने ट्रेन में चढ़ते ही 'जय श्री राम' का नारा लगाया।

हावड़ा जिले की निवासी 56 वर्षीय आरती बोस ने हावड़ा मैदान में पहली ट्रेन में चढ़ने सवार होने से पूर्व कहा कि कोलकाता और हावड़ा हुगली नदी पर पुल के माध्यम से जुड़े हुए हैं, लेकिन अब इन शहरों को नदी के नीचे जोड़ा जा रहा है, जो अपने आप में रोमांचक है। वहीं शर्मिष्ठा खमरूई (52) भी अपने पति के साथ सुबह-सुबह स्टेशन पहुंच गईं थीं। उन्होंने कहा, उद्घाटन के दिन मैं पानी के नीचे मेट्रो की सवारी करने के लिए उत्साहित हूं। हम में से कई लोग आज उस क्षण को संजो कर रखेंगे। हममें से अनेक लोग इसके निर्माण के साक्षी हैं। कॉलेज छात्रा श्रीमन्ती बिस्वास मेट्रो सेवा के शुभारंभ से इतनी उत्साहित थीं कि टिकट खरीदने के तुरंत बाद, उन्होंने इसे चूमा और ग्रुप सेल्फी के लिए अपने दोस्तों के पास पहुंच गईं। हालांकि, मंजुश्री भट्टाचार्य और उनकी 10 वर्षीय बेटी को इसका पछतावा था कि वे पहली ट्रेन में नहीं चढ़ पायीं क्योंकि ट्रेन में काफी भीड़ थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 6 मार्च को कोलकाता मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड खंड का उद्घाटन करने के बाद वाणिज्यिक सेवाएं शुरू हुईं। यह भारत में पानी के नीचे मेट्रो सेवाओं की शुरुआत है। मेट्रो ट्रेन जैसे ही नदी के नीचे के हिस्से में पहुंची, ट्रेन में सवार यात्रियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यात्रियों के एक वर्ग ने यह मोदी की गारंटी है का नारा लगाया। वहीं, कुछ यात्री हुगली नदी के नीचे सुरंग की दीवार की रोशनी की एक झलक पाने के लिए खिड़की की ओर दौड़ पड़े।

अयोध्या में राममंदिर में प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही अब भारत में रामराज्य स्थापित होगा : राजनाथ

चतरा (झारखंड)/दक्षिण भारत। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वे दिन दूर नहीं हैं, जब भारत में 'रामराज्य' स्थापित होगा और देश 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक होगा। सिंह ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के लागू होने पर भाजपा को सांप्रदायिक बताने वालों पर भी निशाना साधा और यह सवाल किया कि पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी किन परिस्थितियों में लगभग 23 प्रतिशत से घटकर लगभग 3 प्रतिशत हो गई। राज्य की राजधानी रांची से लगभग 160 किलोमीटर दूर इटखोरी में एक रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, अयोध्या में मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा के साथ ही अब भारत में रामराज्य की स्थापना होगी... रामलला टेंट से अपने महल में पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों के दम पर भारत उनके नेतृत्व में 'विश्वगुरु' बनेगा और यह भगवान की इच्छा है कि वह न केवल तीसरी बार बल्कि चौथी बार भी प्रधानमंत्री बने रहें। उन्होंने सीएए पर कहा कि हिंदू, सिख, ईसाई और पारसियों सहित अल्पसंख्यक अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे थे और शरण के लिए भारत आ रहे थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com